महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 83 | उज्जैन, बुधवार 02 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

कुछ लोग हमेशा खुश व संतुष्ट रहते हैं.. इसलिए नहीं कि उनके जीवन में सब कुछ ठीक है.. बल्कि उनकी सोच हर हाल में 'सकारात्मक' रहती है..!

प्रदेश के सर्वांगीण विकास और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए लगभग 41 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति

भोपाल-जबलपुर और उज्जैन में प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय को स्वीकृति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में संपन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लगभग 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक के महत्वपूर्ण वित्तीय प्रस्तावों और जनकल्याणकारी निर्णयों को स्वीकृति प्रदान की। राज्य में ग्रामीण विकास के ढांचे को गति देने के लिए विकसित भारत- वीबी जी राम जी योजना के क्रियान्वयन के लिये 29 हजार 619 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रस्ताव का अनुसमर्थन किया गया। इसके साथ ही प्रदेश की सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए पश्चिम भोपाल बायपास 4-लेन निर्माण के लिए 3 हजार 774 करोड़ रुपये और मेहलुआ-बीना-खिमलासा-मालथोन मार्ग के लिए 3 हजार 272 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, जिससे राज्य में औद्योगिक और सभी तरह के आवागमन को नई ऊर्जा मिलेगी।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय संतुलन और गुणवत्ता विस्तार की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का पुनर्गठन कर भोपाल, उज्जैन और जबलपुर में तीन नए प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य के दुग्ध उत्पादकों के आर्थिक सशक्तिकरण और सांची ब्रांड के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से 2 हजार 973 करोड़ रुपये की डेयरी विकास योजना को मंजूरी दी गई।

प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से चिकित्सा उपकरणों और विभागीय परिसंपत्तियों के संधारण के लिए 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। किसानों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए पंजीकृत कृषकों से ग्रीष्मकालीन मूंग की उपज के उपार्जन सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने के निर्णय का अनुसमर्थन किया गया। साथ ही नवगठित जिलों मैहर, मऊगंज, पांढुर्णा और निवाड़ी में प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए सामाजिक न्याय और आयुष विभागों में नए पदों के सृजन को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

वीबी जी राम जी योजना के क्रियान्वयन के लिए 29 हजार 619 करोड़ रूपये का अनुसमर्थन- मंत्रि-परिषद ने विकसित भारत (ग्रामीण)-वीबी जी राम जी विकसित भारत जी राम जी योजना मध्यप्रदेश और इसके 1 जुलाई 2026 से प्रभावशील किए जाने का अनुसमर्थन किया। योजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-2027 में अनुमानित लागत रुपये 3,183 करोड़ रूपये तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक योजना की निरंतरता के लिए कुल अनुमानित लागत 26,436 करोड़ रूपये के वित्तीय प्रस्ताव का अनुसमर्थन किया गया। केंद्र और राज्य का अंश 60-40 के अनुपात में होगा, जिसमें राज्यांश 10 हजार 574 करोड़ रूपये होगा। इन पाँच वर्षों में प्रशासनिक व्यय के लिए 946 करोड़ रूपये का व्यय होगा, जो राज्य शासन वहन करेगा।

न्यूज ब्रीफ

NHAI की 26 परियोजनाओं पर खतरा, ठेकेदारों ने कैसे बदला AI का डेटा? लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की भी होगी जांच

नई दिल्ली/ जीएनएस। यह विडंबना ही है कि दुनिया भर में सफल ऑटोमेटेड एंड इंटेलीजेंट मशीन-एडेड कंस्ट्रक्शन (एआइ-एमसी) तकनीक को भारत में भी नेशनल हाईवे के निर्माण में लागू करने के लिए जिस लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे को पायलट प्रोजेक्ट के लिए रूप में चुना गया, वहीं एआइ के साथ आंखमिचौनी हो गई। चूंकि, इस तकनीक की सफलता पर कहीं भी सवाल नहीं उठे, इसलिए यह भी जांच के दायरे में है कि आखिर ठेकेदार फर्म पीएनसी इन्फ्राटेक ने इस तकनीक का कितना और कहां-कहां प्रयोग किया। साथ ही इस एक्सप्रेसवे पर सामने आई खामियों ने उन 26 परियोजनाओं के लिए भी समय रहते अलार्म बजा दिया, जिन पर लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की तरह ही एआइ-एमसी के उपयोग का निर्णय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने लिया था। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पीएनसी इन्फ्राटेक ने 2022-23 में शुरू किया। तब केंद्र सरकार ने एआइ-एमसी तकनीक को भारत में भी राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में उपयोग करने के लिए लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना। एनएचएआइ के अधिकारियों के अनुसार, पीएनसी को भी हर लेयर बिछाने में इसी तकनीक का प्रयोग करना था। चूंकि, तकनीक हर देश में सफल रही है, इसलिए माना जा रहा था कि यह सफल ही रहेगी, इसलिए 2025 में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने देशभर के अन्य 26 हाईवे प्रोजेक्ट में भी इस तकनीक के प्रयोग का आदेश जारी कर दिया।इसके पीछे तर्क था कि परियोजना समय से पूरी होगी, मिट्टी की सतह का कंप्रेशन मानकों के अनुरूप होगा और किसी भी प्रकार की तकनीकी खामी न होने के कारण परियोजनाओं की गुणवत्ता उच्च स्तर की होगी। अभी इन प्रोजेक्ट पर काम चल ही रहा है कि लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की खामियों ने परत खोल कर दी कि ठेकेदार फर्म पीएनसी ने एआइ-एमसी जैसी तकनीक से भी आंखमिचौनी कर डाली। एनएचएआइ के अधिकारी भी सकते में हैं कि आखिर ऐसा हुआ कैसे? एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विशेषज्ञ सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं तो इसकी भी पड़ताल करेंगे कि इस एक्सप्रेसवे पर एआइ-एमसी पर तकनीक का कितना इस्तेमाल किया गया?

नर्स की हत्या कर गैराज में जाकर सो गया था मैकेनिक, पुलिस पहुंची तो नजारा देख रह गई दंग

हैदराबाद/जीएनएस। हैदराबाद के पहाड़ी शरीफ इलाके में एक नर्स के साथ दुष्कर्म और गला घोंटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासे किए हैं। पुलिस के अनुसार, वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी पेशे से बाइक मैकेनिक है और मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। वारदात को अंजाम देने के तुरंत बाद वह उस गैराज में लौट आया था जहां वह काम करता था और बेफिक्र होकर सो गया।पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि 2023 में काम की तलाश में हैदराबाद आया आरोपी पिछले एक महीने से महिला की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रहा था। पीड़िता का कमरा उस ऑटोमोबाइल गैराज के बिल्कुल पीछे स्थित था जहां आरोप काम करता था। आरोपी ने खिड़की के रास्ते महिला को पहली बार देखा था, जिसके बाद से ही वह उस पर नजर रखने लगा था। वारदात वाले दिन आरोपी शराब के नशे में था। वह खिड़की के रास्ते महिला के कमरे में तब दाखिल हुआ जब वह सो रही थी। जब पीड़िता ने रेप की कोशिश का विरोध किया, तो आरोपी ने उसका गला घोंट दिया और वारदात को अंजाम देने के बाद उसी खिड़की से बाहर निकलकर गैराज में जाकर सो गया। पुलिस के अनुसार, यह स्पष्ट नहीं है कि रेप के दौरान महिला जिंदा थी या उसकी मौत हो चुकी थी।

समय से पहले मानसून की विदाई, 1901 के बाद सबसे गर्म अगस्त; खरीफ की फसलों का क्या होगा?

नई दिल्ली/ जीएनएस। मानसून के आखिरी महीने में भी मौसम किसानों की मुश्किल बढ़ाने वाला है। सितंबर में देश में औसतन 167.9 मिलीमीटर बारिश होती है। इस बार इसके मुकाबले बारिश 91 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है। यानी मानसून की विदाई के आखिरी महीने में भी बारिश में करीब नौ प्रतिशत या उससे अधिक की कमी रह सकती है।

दूसरी चिंता गर्मी की है। सितंबर में देश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रह सकता है। खेतों में नमी घटेगी तो तापमान में वृद्धि से फसलों पर दोहरा दबाव पड़ेगा।

इस बीच, निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट ने मानसून की वापसी सामान्य समय से करीब एक सप्ताह पहले शुरू होने का अनुमान जताया है। गुजरात एवं राजस्थान के कुछ हिस्सों से मानसून की विदाई सामान्य तौर पर 17 सितंबर से शुरू होती है। खरीफ की खड़ी फसलों के लिए सितंबर बेहद अहम होता है। धान, मक्का, सोयाबीन एवं कपास की फसलें इस समय परिपक्व होने के दौर में होती हैं। इन्हें इस समय पर्याप्त नमी की जरूरत होती है। बारिश में लंबा अंतर आया तो उत्पादन पर असर पड़ सकता है।

अगस्त में भी देश में सामान्य से करीब 16 प्रतिशत कम बारिश हुई है। ऐसे में सितंबर की कमजोर बारिश मिट्टी में बची नमी और जलस्रोतों पर दबाव बढ़ा सकती है। किसानों के लिए अब बारिश की कुल मात्रा से ज्यादा उसका समय और वितरण महत्वपूर्ण होगा।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक डा. मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि सितंबर में भी मौसम की चुनौती एक जैसी नहीं रहेगी। एक हिस्से में बारिश की कमी परेशान करेगी तो दूसरे हिस्से में तेज बारिश खेतों के लिए खतरा बनेगी।

हैदराबाद में प्रोटेस्ट का अनोखा तरीका, सड़क टूटने के बाद गड्ढे पर लेटा शख्स; सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

हैदराबाद/ जीएनएस। बारिश के मौसम में सड़कों पर गड्ढे होने से लोगों को काफी दिक्कत होने लगती है, जिससे भारी जाम लग जाता है। हैदराबाद से भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां पुराने शहर की एक व्यस्त सड़क पर बड़ा गड्ढा हो गया।

प्रशासन का ध्यान इस गड्ढे पर दिलाने के लिए एक शख्स ने प्रदर्शन का एक अनोखा तरीका अपनाया। विरोध करने वाला शख्स फिरोज गड्ढे पर ही लेट गया।

फिरोज ने रविवार शाम गौलीगुडा बस स्टैंड के पास इमलीबन-पुतलीबोवली रोड पर यह प्रदर्शन किया। उन्होंने गड्ढों वाली सड़कों की वजह से वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को हो रही दिक्कतों को प्रशासन के सामने लाने के लिए विरोध का ये तरीका अपनाया। फिरोज के विरोध प्रदर्शन पर लोगों का ध्यान गया, जिसके चलते ट्रैफिक पुलिस भी मौके पर पहुंची और फिरोज को सड़क से हटने के लिए मनाने की कोशिश की, क्योंकि फिरोज के सड़क पर लेटने से ट्रैफिक बढ़ता जा रहा था।

देश में महंगाई और बेरोजगारी बेलगाम, GDP आंकड़ों और बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली/ जीएनएस। आर्थिक मोर्चे पर मोदी सरकार की नीतियों को लेकर हमलावर रही कांग्रेस ने पहली तिमाही में जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत के आंकड़े पर सवाल उठाया है।

पार्टी ने दावा किया कि मोदी सरकार हकीकत में जनता को निरंतर महंगाई का जोरदार झटका दे रही है तो दूसरी ओर आर्थिक विकास से जुड़े आंकड़ों की बाजीगरी कर देश को गुमराह कर रही है।

पहली तिमाही के जीडीपी विकास दर में हेर-फेर का आरोप लगाते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि बार-बार मेथडोलॉजी बदलकर मोदी सरकार जीडीपी के आंकड़ों को अपने हिसाब से सेट कर रही है जबकि भारत की बदहाल आर्थिक हकीकत को छिपाया जा रहा है।

वास्तविकता में रसोई महंगी करने से लेकर आम आदमी से घर बनाने का सपना भी छीना जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहली तिमाही की जीडीपी दर पर पीएम मोदी के खुशी जताने पर जवाबी वार करते हुए एक्स पोस्ट में कहा, आप कह रहे हैं कि देश जीडीपी ग्रोथ का जश्न मना रहा है। आपके पास यह सुविधा हो, लेकिन आम आदमी के पास नहीं है। आम लोग तीन यू असाधारण बेरोजगारी, असहनीय महंगाई और बेलगाम असमानता के बोझ तले दबे हैं और इसके जिम्मेदार आप हैं। बेरोजगारी 50 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है।

INS निपुण नौसेना के बेड़े में शामिल, समुद्र में कैसे भारत की रक्षा करेगा ये युद्धपोत?

मुंबई/ जीएनएस। मुंबई के क्षितिज पर सोमवार का सूर्य भारतीय नौसेना के इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय लेकर आया। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की उपस्थिति में अत्याधुनिक डीप-सी डाइविंग वेसल 'आइएनएस निपुण' को आधिकारिक तौर पर भारतीय नौसेना बेड़े में शामिल कर लिया गया।

पिछले साल 'आइएनएस निस्तार' के शामिल होने के बाद, यह इस श्रेणी का दूसरा युद्धपोत है, जो समंदर में भारत की मारक क्षमताओं को नई बुलंदी देता है।

यह गहरे समुद्र में गोताखोरी करने वाला युद्धपोत है जो मुश्किल आपरेशन में मदद करेगा। इससे पानी के नीचे सहायता पहुंचाने की क्षमता में अहम बढ़ोतरी हुई है, जो बहुत कम नौसेनाओं के पास है।

'फॉर बिनीथ, फ्यू बियांड' (अथाह गहराई में, कुछ ही हैं जो वहां तक पहुंच सकते हैं) के प्रेरणादायी ध्येय वाक्य के साथ समुद्र की रहस्यमयी और चुनौतीपूर्ण दुनिया में उतरने वाला यह पोत उन चुनिंदा नौसेनाओं की कतार में भारत को लाकर खड़ा करता है, जो जटिल पनडुब्बी बचाव और गहरे समुद्र में गोताखोरी का अनूठा हुनर रखती हैं।

11.4 मीटर लंबे और 10,500 टन क्षमता वाले इस पोत को विशाखापत्तनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित किया गया है। यह आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की वह गूंज है, जो हर देशवासी के सीने को गर्व से चौड़ा कर देती है।

'आइएनएस निपुण' केवल एक युद्धपोत नहीं, बल्कि समुद्र की छाती चीरकर आपदा में फंसे नौसैनिकों के लिए देवदूत बनने वाला एक चलता-फिरता सुरक्षा कवच है। यह पोत 300 मीटर की गहराई तक जाकर कठिन गोताखोरी अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है।

म्यूजिकल कॉन्सर्ट के लिए आते हैं लोग, हेमांग जोशी ने राहुल गांधी के इवेंट्स का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाजयुमो के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमांग जोशी ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर उनके छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर तीखा प्रहार किया।

उन्होंने दावा किया कि युवा लोग राहुल गांधी के हिंदुत्व और भारतीयता के ज्ञान की गहराई पर हंसते हैं और उनके कार्यक्रमों में मुख्य रूप से संगीत समारोहों के लिए जाते हैं।

जोशी ने कहा, युवा इस देश के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। हमें उनकी ऊर्जा को सकारात्मक रूप से मोड़ने की आवश्यकता है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस अभियान के तहत चार कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जो छात्रों और युवाओं से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित हैं। वडोदरा से भाजपा सांसद हेमांग जोशी ने दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। उन्हें भाजयुमो कार्यकर्ताओं की एक बड़ी संख्या द्वारा ढोल और समर्थन के नारे के साथ भव्य स्वागत मिला। कार्यक्रम से पहले भाजयुमो अध्यक्ष जोशी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी कभी भी उन समस्याओं के समाधान प्रस्तुत नहीं करते जिनका वह उल्लेख करते हैं और चर्चा को इस तरह से फ्रेम करते हैं कि सकारात्मक परिणाम भी समस्याग्रस्त नजर आते हैं। जोशी ने कहा, राहुल गांधी युवाओं के बीच जो कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं...इस संबंध में उनकी टीम भी जानती है कि युवा लोग उन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से संगीत समारोहों के लिए जाते हैं।

आतंकवाद के सुरक्षित पनाहगारों को पूरी तरह ध्वस्त करना ही होगा, SCO समिट में पीएम मोदी का सख्त संदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन का मंच तैयार था। सामने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बैठे थे, आसपास रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग जैसी शख्सियतें मौजूद थीं।

ठीक उसी सभागार में भारतीय पीएम नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद पर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन जो कहा उसे वहां बैठा हर व्यक्ति समझ रहा था कि बात सीमा पार आतंकवाद को पनाह और समर्थन देने वाले किस देश की जा रही थी।

मोदी ने सीमा पार आतंकवाद के समर्थकों को कठघरे में खड़ा करने की वैश्विक सहमति बनाने की अपील की और कहा कि, आतंकवाद के सुरक्षित शरणस्थलों को हमें धवस्त करना होगा और आतंकवाद किसी की रणनीतिक संपत्ति नहीं बन सकता। एससीओ की 25वीं वर्षगांठ के इस मंच पर भारत ने इस संगठन को 'सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर' के तीन स्तंभों के आधार पर आगे बढ़ाने की बात कही।

पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित ठिकानों के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना होगा। हमें एक स्वर में बोलना होगा कि इस गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं और आतंकियों को पनाह व समर्थन देते हैं, उन्हें कड़ा संदेश देना होगा कि आतंकवाद किसी के लिए रणनीतिक संपत्ति नहीं हो सकता।

कनेक्टिविटी पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि साझा विकास का दूसरा आधार मजबूत और विश्वसनीय संपर्क है। भारत उन प्रयासों का समर्थन करता है जो बाजारों को जोड़ते हैं, व्यापार को आसान बनाते हैं और विकास के नए रास्ते खोलते हैं। लेकिन इन प्रयासों में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान अत्यंत आवश्यक है। यही एससीओ चार्टर की मूल भावना भी है।

यह टिप्पणी चीन की अगुवाई वाली उन परियोजनाओं की ओर संकेत है जिन पर भारत आपत्ति जताता रहा है, खासकर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में प्रस्तावित कनेक्टिविटी योजनाओं पर। मोदी ने कहा कि आगे कनेक्टिविटी सड़क, रेल और हवाई गलियारों तक सीमित नहीं रहेगी।

सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना, डिजिटल दस्तावेजीकरण बढ़ाना और लाजिस्टिक्स नेटवर्क को अधिक कुशल बनाना भी जरूरी होगा।

इंदौर विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में 177.33 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी

रेडिसन और रोबोट चौराहे पर फ्लायओवर, एरोसिटी और एमआर- 9 मार्ग के निर्माण को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर विकास प्राधिकरण के संचालक मंडल की बैठक मंगलवार को संभागायुक्त एवं सह अध्यक्ष श्री भास्कर लाक्षाकार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में शहर के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर पालिक निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता श्री योगेन्द्र कुमार, म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता श्री राजेशचन्द्र जैन, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के संयुक्त संचालक श्री शुभाशीष बेनर्जी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री सुनील कुमार उदिया एवं इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव डॉ. परिक्षित झाड़े उपस्थित रहे।

बैठक में पूर्वी रिंग रोड स्थित रेडिसन चौराहे पर प्रस्तावित फ्लायओवर निर्माण के लिए 76.59 करोड़ रुपये तथा रोबोट चौराहे पर प्रस्तावित फ्लायओवर के लिए 94.18 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही आगरा-मुंबई बायपास से प्राधिकरण की टीपीएस-05 को जोड़ने वाले मास्टर प्लान एमआर-09 मार्ग के निर्माण के लिए 6.56 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। इस प्रकार गैर योजनामद के अंतर्गत इन विकास कार्यों के लिए कुल 177.33 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

संचालक मंडल ने योजना क्रमांक 151-169-बी में टीसीएस एवं इन्फोसिस को दी गई भूमि के बदले शासन से प्राप्त भूमि, जो योजना क्रमांक 172 के समीप स्थित है, को एरोसिटी के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया। इसके लिए 52.61 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इंदौर विकास योजना-2021 के अनुसार उक्त भूमि से एयरपोर्ट तक 75 मीटर चौड़ा और 1.5 किलोमीटर लंबा मार्ग भी बनाया जाएगा। एरोसिटी के विकास से एयरपोर्ट के आसपास होटल सहित अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के विस्तार को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

एयरपोर्ट रोड स्थित योजना क्रमांक 172 के विकास कार्यों के लिए भी संचालक मंडल ने 240.93 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की। प्राधिकरण के अनुसार इस योजना के विकास से शहर के समीपस्थ क्षेत्रों में विकास का विस्तार हो सकेगा।

बैठक में योजना क्रमांक 54 के अंतर्गत मेघदूत उपवन से लगी प्राधिकरण स्वामित्व की लगभग 3.83 हेक्टेयर भूमि के समग्र विकास एवं कंसल्टेंट की नियुक्ति के लिए 15 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं योजना क्रमांक 97 भाग-2 के विकास कार्य के लिए 33,95,98,498 रुपये की न्यूनतम निविदादाता की निविदा को स्वीकृति दी गई।

संचालक मंडल द्वारा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में संपत्तियों के व्ययन के लिए दरों का भी निर्धारण किया गया। योजना क्रमांक 103 के बहुमंजिला भवन 'पलाश' में निर्मित 31 आवासीय प्रकोष्ठों, योजना क्रमांक 114-प्रथम यानी राजीव आवास विहार में आवासीय उपयोग के 9 प्रकोष्ठों, योजना क्रमांक 135 में 106 आवासीय भूखंडों तथा योजना क्रमांक 59 पार्ट-2 में व्यावसायिक उपयोग के 21 और आवासीय उपयोग के एक भूखंड के व्ययन के लिए दरें तय की गईं। इसी प्रकार योजना क्रमांक 136 में 151 आवासीय भूखंडों, योजना क्रमांक 71 सेक्टर-ए में व्यावसायिक उपयोग के 5, औद्योगिक उपयोग के 4 एवं शॉपिंग उपयोग के 3 भूखंडों तथा योजना क्रमांक 54 में चिकित्सालय उपयोग के भूखंड के व्ययन के लिए भी दर निर्धारण किया गया। इससे संबंधित योजनाओं में संपत्तियों के व्ययन के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा सकेंगी।

योजना क्रमांक 97 के दीर्घकालीन क्रियान्वयन के दौरान विभिन्न कारणों से योजना से पृथक हुई अथवा भूमि अर्जन की कार्यवाही से बाहर हुई भूमियों की वर्तमान स्थिति निर्धारित करने का भी निर्णय लिया गया। कृषि उपयोग की भूमियों के संबंध में अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करने तथा योजना में आवश्यक उपांतरण के लिए मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 52(1)(ख) के अंतर्गत राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

बैठक में अहिल्योत्सव वर्ष 2026 के आयोजन के लिए श्री अहिल्योत्सव समिति को 8 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा बंद कपड़ा मिलों की पांच गणेशोत्सव समितियों को गणेश विसर्जन चल समारोह में निकलने वाली झांकियों के निर्माण के लिए प्रत्येक समिति को 3 लाख रुपये की सहयोग राशि देने का निर्णय लिया गया।

आमजन की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई, कलेक्टर शिवम वर्मा ने दिए समयबद्ध निराकरण के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदक से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को गंभीरता से समझा तथा संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में पात्र नागरिकों को शासन की योजनाओं एवं प्रावधानों के अनुसार आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता के साथ परीक्षण करते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। श्री वर्मा कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है और नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए विभागीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जनसुनवाई में श्रीमती राधा सेन ने पहुंचकर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उनका भतीजा गौतम सेन सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उपचार का खर्च उठाना मुश्किल हो रहा था। इस संबंध में उन्होंने गत जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष अपनी समस्या रखी थी। कलेक्टर श्री वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ प्रकरण का त्वरित निराकरण करते हुए गौतम के उपचार के लिए पूरी मदद उपलब्ध कराई। सहायता मिलने से गौतम का उपचार संभव हो सका। इसके लिए श्रीमती सेन ने आज जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा का आभार व्यक्त किया। कलेक्टर श्री वर्मा ने उन्हें आश्वस्त किया कि भविष्य में भी किसी प्रकार की परेशानी होने पर शासन-प्रशासन हरसंभव सहयोग के लिए उनके साथ रहेगा।

जनसुनवाई में श्रीमती रोशनी अहिरवाल ने अपने दो बच्चों की शिक्षा से जुड़ी समस्या कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व पति से तलाक के बाद वे अकेले ही दोनों बच्चों की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने में उन्हें कठिनाई हो रही थी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने उनकी समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना तथा तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वर्मा ने दोनों बच्चों की निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही श्रीमती अहिरवाल को 12 हजार रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। एक अन्य प्रकरण में श्रीमती शालू राठौर ने जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष अपनी समस्या रखी। उन्होंने बताया कि पति के निधन के बाद परिवार में आय का कोई अन्य साधन नहीं है, जिसके कारण उन्हें जीवन-यापन में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने उनकी समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुना और तत्काल राहत प्रदान करते हुए 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर भाजपा नेता ने कांग्रेस पर साधा निशाना, आयोजन स्थल के दिए सुझाव

अभय प्रशाल, दशहरा मैदान और सुपर कॉरिडोर को बताया कार्यक्रम के लिए विकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राहुल गांधी के प्रस्तावित इंदौर कार्यक्रम को लेकर भाजपा नेता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आयोजन स्थल को लेकर कई सुझाव दिए हैं। मीडिया में कार्यक्रम के लिए जगह तलाशे जाने की खबरों का हवाला देते हुए भाजपा नेता ने कांग्रेस को पत्र लिखकर अभय प्रशाल सभागृह, दशहरा मैदान और सुपर कॉरिडोर को संभावित आयोजन स्थलों के रूप में सुझाया।

पत्र में भाजपा नेता ने कहा कि इंदौर की सौहार्दपूर्ण राजनीतिक परंपरा और सौजन्यता के नाते वह कांग्रेस को यह सुझाव दे रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस द्वारा पिछले कुछ दिनों से आयोजन स्थल को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अभय प्रशाल सभागृह कार्यक्रम के लिए एक विकल्प हो सकता है। पत्र में वर्ष 2003 में सोनिया गांधी के कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यदि कांग्रेस दो-तीन हजार युवाओं को जुटा सके तो दशहरा मैदान भी उपयुक्त स्थान रहेगा। कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी के 50 हजार विद्यार्थियों से संवाद किए जाने के दावे पर भाजपा नेता ने सुपर कॉरिडोर को बेहतर विकल्प बताया। उन्होंने कहा कि वहां संवाद कार्यक्रम के साथ भोजन और पार्किंग की व्यवस्था भी की जा सकती है। पत्र में भाजपा नेता ने राहुल गांधी और कांग्रेस की विचारधारा पर भी तीखे राजनीतिक आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को इंदौर के युवाओं का कितना समर्थन मिलेगा, यह शहर की जनता जानती है। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल को लेकर दिए गए सुझाव केवल सौजन्यता के नाते हैं और उम्मीद है कि कांग्रेस इन्हें गंभीरता से लेगी तथा मां अहिल्या की नगरी को लेकर दुष्प्रचार नहीं करेगी। पत्र के अंत में भाजपा नेता ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि महात्मा गांधी की कांग्रेस के विसर्जन की इच्छा को पूर्ण करने में लगे राहुल गांधी अपने प्रयास जारी रखें। पत्र का समापन 'शुभकामनाओं के साथ, वंदे मातरम' के साथ किया गया है।

इंदौर के मुख्य रास्तों पर बंद होंगे ई-रिक्शा! कुमेडी ISBT से चलेंगी बसें, शहर में मिलेगा पिकअप पाइंट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्ट्रेट कार्यालय में सोमवार को हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में शहर में बढ़ते यातायात दबाव को नियंत्रित करने और लेफ्ट टर्न चौड़े करने पर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि ई-रिक्शा के रूट तो तय कर दिए हैं, लेकिन इनके कारण मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि यातायात सुधार के लिए मुख्य मार्गों से ई-रिक्शा को प्रतिबंधित किया जाए।

भोपाल की तरह इंदौर में भी एक आदेश जारी हो, ताकि मुख्य मार्गों पर इनका प्रवेश रुके। कॉलोनियों और अन्य क्षेत्रों से मुख्य मार्गों तक इनकी कनेक्टिविटी दी जाए। बैठक में तय हुआ कि जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। दरअसल सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

कुमेडी आईएसबीटी से शुरू होगा बसों का संचालन, मिलेगा पिकअप पॉइंट- शहर में बसों का दबाव कम करने के लिए कुमेडी आईएसबीटी से बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। यहां से राजस्थान, गुजरात सहित अन्य अंतरराज्यीय बसों का संचालन होगा। इन बसों को कुछ समय के लिए शहर में किसी एक स्थान पर पिक पॉइंट दिया जाएगा, ताकि बसों में शहर से सवारी आसानी से बैठाई जा सके। पिकअप पॉइंट कहां पर बनेगा, इस पर जल्द ही निर्णय होगा। वहीं कुमेडी आईएसबीटी से सिटी और पीएमश्री इलेक्ट्रिक बसों की कनेक्टिविटी दी जाएगी।

हादसों के कारणों की होगी पड़ताल, दिए गए निर्देश- कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देशित किया कि बायपास, भेरू घाट, मानपुर घाट और लवकुश चौराहा पर होने वाले हादसों और मौत के कारणों की पड़ताल की जाए। संबंधित क्षेत्र का एसडीएम, निर्माण एजेंसी के अधिकारी और पुलिस अधिकारी मौके पर जाकर हादसों की वजह जानें। ओवरस्पीड, ब्लैक स्पॉट या अन्य किस कारण से हादसे हो रहे हैं, इसकी जानकारी जुटाकर तुरंत सुधार कराया जाएगा।

नगर निगम की जनसुनवाई में पहुंचे 31 आवेदन, आयुक्त ने अधिकारियों को दिए तत्काल निराकरण के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने मंगलवार को निगम मुख्यालय में जनसुनवाई कर शहरवासियों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 31 आवेदन प्रस्तुत किए गए। आयुक्त ने आवेदकों की समस्याओं को स्वयं सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

आयुक्त श्री सिंघल ने अपने कक्ष में निगम के समस्त अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं विभाग प्रमुखों की मौजूदगी में जनसुनवाई की। इस दौरान नागरिकों ने राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य, रिमूव्हल, सीवरेज, जनकार्य सहित अन्य विभागों से संबंधित समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं।

जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर ने सुनीं 96 शिकायतें, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण और समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में मंगलवार को पुलिस कमिश्नर नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने कमिश्नर कार्यालय के सभागार में आमजन की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदक की समस्या और व्यथा को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं उचित कार्रवाई कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कुल 96 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पति-पत्नी, बेटा-बहू से जुड़े पारिवारिक विवाद और आपसी मतभेद, दस्तावेजों पर लोन लेकर धोखाधड़ी, इवेंट फर्म द्वारा पैसे लेने के बाद काम नहीं करने, पैसों के लेन-देन, सामान नहीं देने, दुकान में तोड़फोड़, साइबर एवं वित्तीय धोखाधड़ी, शिकायत पर सुनवाई नहीं होने, प्लॉट-मकान एवं जमीन संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध सहित अन्य पुलिस संबंधी मामले शामिल रहे।

पुलिस कमिश्नर ने आवेदकों की समस्याओं को सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कई मामलों में अधिकारियों से समक्ष में तथा फोन के माध्यम से चर्चा कर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने आमजन को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री मयंक अवस्थी सहित सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना और आवश्यक मामलों में मौके पर ही कार्रवाई प्रारंभ की।

पारिवारिक एवं आपसी विवादों के समाधान के लिए पुलिस द्वारा मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से काउंसलिंग भी कराई जा रही है। इसके जरिए पक्षकारों के बीच आपसी सहमति कायम कर विवादों का शांतिपूर्ण और शीघ्र समाधान करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सेंट्रल जेल इंदौर में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेंट्रल जेल इंदौर में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में बन्दियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाएं आयुष विभाग के अधिकारियों के निर्देशन में आयोजित की गई, इस शिविर का उद्देश्य बन्दियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध कराना रहा।

संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. मीना भायल एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया के मार्गदर्शन में शिविर का संचालन किया गया, जेल अधीक्षक श्री दिनेश नरवरे, उप अधीक्षक नागर सर के मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी डॉ. राकेश गुप्ता के साथ आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ जितेन्द्र भालसे, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश पोरवाल, डॉ. ज्योति बडोले, डॉ. रंजीता चौहान, डॉ अंकिता जैन एवं पैरामेडिकल स्टाफ रचना निगम, वर्षा सक्सेना, उमेश चोहान, अंकिता भारत, माधुरी श्रीवंश, रितु रामपुरी, प्रदीप शर्मा, रेखा भदौरिया, बसंती डोडवे ने सेवाएं प्रदान की।

शिविर में 253 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया किया गया, मरीजों की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जाँच कर उन्हें आवश्यक आयुर्वेदिक औषधि प्रदान की गई, विशेष रूप से पाचन संबंधी विकार, चर्मरोग कब्ज़ समस्याएं अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित मरीजों को चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया गया।

चौराहों पर डीसीपी ट्रैफिक का निरीक्षण, नियम तोड़ने वालों पर सख्ती के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी ने शहर के प्रमुख चौराहों का निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए।

घंटाघर चौराहे पर निरीक्षण के दौरान डीसीपी ट्रैफिक ने रॉन्ग साइड वाहन चलाने, रेड लाइट जंप करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने, लेफ्ट टर्न बाधित करने और मोडिफाइड साइलेंसर वाले वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात कर्मचारियों को चौराहों पर व्यवस्था बनाए रखने के साथ नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर विशेष नजर रखने के लिए कहा।

यातायात पुलिस द्वारा तेज आवाज करने वाले और निर्धारित मानकों से अलग मोडिफाइड साइलेंसर का इस्तेमाल करने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई की जा रही है। विशेष रूप से मोडिफाइड साइलेंसर लगी बुलेट सहित अन्य वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जा रही है।

यातायात पुलिसकर्मी अब चौराहों पर नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की फोटो भी क्लिक कर रहे हैं। मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने, लेफ्ट टर्न बाधित करने, रॉन्ग साइड आने सहित अन्य यातायात उल्लंघनों की फोटो लेकर संबंधित वाहन के खिलाफ नियमानुसार चालान की कार्रवाई की जाएगी। इससे नियम तोड़कर मौके से निकल जाने वाले वाहन चालक भी कार्रवाई से बच नहीं सकेंगे।

चौराहों पर यातायात व्यवस्था की निगरानी के लिए ड्रोन का भी उपयोग किया गया। ड्रोन और फोटो के माध्यम से निगरानी का उद्देश्य वाहन चालकों को यह स्पष्ट संदेश देना है कि यातायात नियमों का उल्लंघन कर मौके से निकल जाना कार्रवाई से बचने की गारंटी नहीं है। यातायात पुलिस का संदेश है कि भागकर नहीं बच पाएंगे उल्लंघनकर्ता। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में की जा रही है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से रेड लाइट का पालन करने, रॉन्ग साइड वाहन नहीं चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने और वाहनों में निर्धारित मानकों के अनुरूप ही साइलेंसर का उपयोग करने की अपील की है।

रक्षाबंधन पर महिला सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली शक्ति मोबाइल टीमों सहित 40 पुलिसकर्मी सम्मानित

प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर पुलिस कमिश्नर ने बढ़ाया हौसला, बेहतर पुलिसिंग के लिए किया प्रोत्साहित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में आम नागरिकों को बेहतर पुलिसिंग उपलब्ध कराने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए शुरू किए गए साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को 40 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। पलासिया स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार प्रदान कर उनके कार्य की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी तरह बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

रक्षाबंधन सहित अन्य त्योहारों के दौरान शहर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस टीम 'शक्ति मोबाइल' का गठन किया गया था। इस दौरान शक्ति मोबाइल टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रहकर सुरक्षा व्यवस्था संभाली और सराहनीय कार्य किया। उत्कृष्ट कर्तव्य निर्वहन के लिए जोन-1 में महिला थाना प्रभारी श्रीमती श्रद्धा यादव सहित पीसीआर क्रमांक 1 और 2 की टीमों को सम्मानित किया गया। पीसीआर क्रमांक 1 में उनि गुंजन पटेल, म.आर. 4294 नेहा सिसोदिया, म.आर. 4935 नुपुर बुडानिया और आर. 4835 प्रकाश तथा पीसीआर क्रमांक 2 में उनि जया सोनी, म.आर. 4971 स्वाति सिंह, म.आर. 4725 प्रतीक्षा मालवे और आर. 2212 राजकुमार रावत शामिल रहे।

जोन-2 में पीसीआर क्रमांक 3 की उनि निधि मित्तल, म.आर. 4977 नंदिनी सोलंकी, म.आर. 4992 कीर्ति जैन और आर. 3732 अनुपम तथा पीसीआर क्रमांक 4 की उनि मनीषा भिलाला, म.आर. 4942 गंगा, म.आर. 4435 वसु और आर. 2162 जितेंद्र को सम्मानित किया गया। जोन-3 में पीसीआर क्रमांक 5 की उनि अभिरुचि कनौजिया, आर. 2194 आकाश भाटी, म.आर. 3979 रीनू और म.आर. 377 दीपिका परमार तथा पीसीआर क्रमांक 6 की उनि वसुंधरा बघेल, म.आर. 4205 वंदना, म.आर. 4887 आकृति राजपूत और आर. 4020 श्याम सिंह को पुरस्कार दिया गया।

जोन-4 में पीसीआर क्रमांक 7 की उनि आराधना शर्मा, म.आर. 1004 अर्चना, म.आर. 1320 महिमा और प्रआर. 1507 आरिफ खान तथा पीसीआर क्रमांक 8 की उनि रिद्धि शर्मा, आर. 3257 नंदलाला राठौर, म.आर. 1881 अर्चना भालेराव और म.आर. 3619 आकांक्षा सिंह को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा विभिन्न मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने वाले अन्य पुलिसकर्मियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। थाना लसूडिया के उनि अरविंद खत्री को एमआरएम पोर्टल पर त्वरित कार्रवाई, आर. 2103 राहुल सोनकुसरे को सीआईएआर पोर्टल पर त्वरित कार्रवाई तथा थाना बाणगंगा के आर. 1474 गजेंद्र धाकड़ को सीआईएआर पोर्टल पर सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। अपराध शाखा की म.आर. 1195 राधा पटेल को समन्वय पोर्टल पर आरोपी की प्रोफाइल तैयार कराने और आर. 2306 सूर्य प्रकाश को साइबर पुलिस पोर्टल (एनसीआरपी) पर बेहतर कार्रवाई के लिए पुरस्कृत किया गया।यातायात थाना के सउनि प्रहलाद पटेल को सड़क दुर्घटना में घायल महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराने तथा प्रआर. 1640 मुकेश लश्करी को शोल्डर ब्लिंकर लगाकर यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए सम्मानित किया गया।

कृषि में मंदसौर जिले को ब्रांड बनाया जाएगा, जैविक उत्पादों हेतु वृहद प्लेटफार्म बनेगा

कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने जिले के प्रगतिशील किसानों से परिचर्चा की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर दिव्यांक सिंह की पहल पर जिले के प्रगतिशील किसानों से एक महत्वपूर्ण परिचर्चा उपज से उद्यम विषय पर आयोजित की गई। कृषि विज्ञान केंद्र पर आयोजित उक्त परिचर्चा में कलेक्टर दिव्यांक सिंह द्वारा जिले के प्रगतिशील एवं वैज्ञानिक सोच रखने वाले किसान बंधुओ से महत्वपूर्ण चर्चा की गई। सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन के अलावा कृषि उद्यानिकी सहकारिता तथा उद्योग विभागों के अधिकारी तथा जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक भी उपस्थित थे

परिचर्चा में कलेक्टर ने बताया कि किसानों की समृद्धि तथा कृषि की उन्नती के क्षेत्र में मंदसौर जिले को पुरे देश में एक ब्रांड के रूप में स्थापित करने के लिए कार्य योजना बनाई जाएगी जो किसानो के सुझावों पर आधारित होगी। इस अवसर पर जिले के विभिन्न हिस्सों से आए हुए लगभग 50 प्रगतिशील किसानों द्वारा उनके नवाचारों से अवगत कराया गया। कृषि उद्यानिकी के क्षेत्र में किए जा रहे नवीन प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने किसानों को बताया कि जिला प्रशासन एक अग्रगामी पहल द्वारा जिले के किसानों की आय में उत्तरो त्तर वृद्धि की कार्य योजना तैयार कर रहा है किसानों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए ठोस पहल की जा रही है जिसके अंतर्गत जिले के किसानों की उपज की बिक्री हेतु नेशनल इंटरनेशनल लिंकेज करने, जैविक उत्पादों की बिक्री के लिए साप्ताहिक हाट से आगे बढ़कर बड़े स्तर पर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने, सहकारी आधार पर किसानों के समूह बनाकर किसानो की स्थिति को मजबूत बनाने का कार्य किया जाएगा। परिचर्चा में किसानों द्वारा मंडी में भुगतान में देरी की समस्या से अवगत कराया जाने पर कलेक्टर द्वारा निराकरण हेतु आश्वस्त किया गया, किसानों के खेतों में तार फेंसिंग हेतु लोन दिलवाने की बात भी कलेक्टर द्वारा कही गई। कलेक्टर ने कहा कि इस परिचर्चा में किसानों द्वारा जो भी सुझाव दिए जा रहे हैं उनका अध्ययन कर अमली जामा पहनाया जाएगा फसलों की स्टोरेज के लिए सुविधा देने पर भी कार्य किया जाएगा। जिले के अलग-अलग क्षेत्र में क्लस्टर बनाकर किसानों की आय में वृद्धि के लिए कार्य किया जाएगा।

कलेक्टर ने कहा कि किसानों को फसल प्रोसेसिंग के माध्यम से लाभ दिलवाया जाएगा, प्रयास किए जाएंगे कि किसान अपनी उपज के प्रसंस्करण भी स्थानीय स्तर पर तैयार कर सके जिले की मंडी में किसानो के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। मंडी में सीसीटीवी, टोकन सिस्टम में सुधार, ऑर्गेनिक फसलों के लिए पृथक व्यवस्था जैसे कार्य किए जाएंगे।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के किसानों को खेती के माध्यम से संपन्न बनाने के लिए जिले में इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। फोरलेन एटलेन द्वारा दूरस्थ मुंबई दिल्ली तक फसल उत्पादन पहुंचा जा सकते हैं। आगामी समय में किसानो के लिए कार्य योजना को मूर्त रूप देकर अमलीजामा पहनाया जाएगा।

भ्रष्टाचार के आरोपों के खिलाफ मुकेश शर्मा की पदयात्रा, मंदिरों में लगाई न्याय की गुहार

राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, एसडीएम से चर्चा के बाद 2 सितंबर का प्रस्तावित धरना निरस्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय गोरक्षा विभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं झिरकन निवासी मुकेश शर्मा ने राजस्व विभाग में कथित अनियमितताओं को लेकर पदयात्रा की। उन्होंने विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर न्याय और अधिकारियों को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की। शर्मा ने आरोप लगाया कि वर्ष 2025 में सोयाबीन फसल प्रभावित होने पर शासन द्वारा मुआवजा दिया गया था, लेकिन झिरकन क्षेत्र में सर्वे प्रक्रिया में अनियमितताएं हुईं। उन्होंने मामले की शिकायत अधिकारियों से करने के बावजूद अपेक्षित निराकरण नहीं होने की बात कही।

सांवलिया से पशुपतिनाथजी तक की पदयात्रा- मुकेश शर्मा ने झिरकन से पदयात्रा शुरू कर लदूसा स्थित सांवलिया जी मंदिर, पंचमुखी बालाजी मंदिर और भगवान पशुपतिनाथजी मंदिर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण की प्रार्थना की। उन्होंने राजस्व कार्यों में पारदर्शिता और शिकायतों की निष्पक्ष जांच की मांग की।

एसपी कार्यालय के सामने स्वागत- मंदसौर पहुंचने पर राष्ट्रीय गोरक्षा विभाग के कार्यकर्ताओं ने एसपी कार्यालय के सामने मुकेश शर्मा का स्वागत किया। इस दौरान संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोज परिहार, जिला कोषाध्यक्ष राजू अहिरवार और महिला जिला अध्यक्ष वर्षा देवी मालवीय सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसडीएम से चर्चा के बाद धरना निरस्त- इसके बाद शर्मा ने संगठन के पदाधिकारियों के साथ एसडीएम शुभम पाटीदार से मुलाकात कर 2 सितंबर को प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को लेकर चर्चा की। शर्मा के अनुसार, एसडीएम ने मामले को संज्ञान में लेकर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसडीएम के आश्वासन के बाद मुकेश शर्मा ने 2 सितंबर का प्रस्तावित धरना निरस्त करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि ग्रामीणों की शिकायतों का निष्पक्ष निराकरण और राजस्व व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करवाना है।

गरोठ में स्विफ्ट कार से आए बदमाशों ने गेस कटर से एटीएम काटा, 6 लाख चुराए

एटीएम केमरे को काले रंग से पोता, तीन-चार बदमाशों की करतूत, छानबीन कर रही पुलिस टीमें

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ नगर के भानपुरा रोड पर स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को 29-30 अगस्त की रात्रि में बदमाशों की टीम ने न केवल गैस कटर से काटा वरन् एटीएम में रखे 6 लाख से अधिक की राशि पर हाथ साफ कर दिया है। इस वारदात से पुलिस महकमा भी सतर्क में आ गया है। पुलिस टीमें गठित की गई है, जो घटना के पहलुओं पर नजर जमाए हुए हैं। सीसीटीवी केमरे खंगाले जा रहे हैं, ताकि बदमाशों का सुराग मिल सके। उधर, अपराध घटित करने के पूर्व बदमाशों ने एटीएम पर लगे सीसीटीवी केमरे को भी काले रंग से पोत दिया था। इस वजह से एटीएम के फूटेज से ज्यादा मदद नहीं मिल सकी है। हालांकि, संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

गरोठ थाना पुलिस के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया का एटीएम भानपुरा रोड पर गरोठ उपजेल से पहले स्थापित है। 29-30 अगस्त की दरमियानी रात्रि में स्विफ्ट कार से बदमाशों की टीम आई। संभवतः तीन से चार आरोपी हैं, जिन्होंने एटीएम में प्रवेश किया। केमरे पर काला रंग पोता, फिर एटीएम बूथ का शटर बंद कर दिया। शटर बंद कर बदमाशों ने साथ में लाए गेस कटर से एटीएम को काटना शुरू किया। वारदात रात्रि करीब 2.30 बजे की बताई गई है। कुछ म में आरोपियों ने एटीएम को गैस कटर मशीन से काटकर पतरे अलग कर दिए। बाद में एक झोले में नोटों को बटोरा। इस तरह एटीएम मशीन से करीब 6 लाख अधिक की राशि बदमाशों ने चोरी कर ली है। बदमाश वारदात को अंजाम देकर स्विफ्ट कार से ही रवाना हुए हैं। पुलिस टीमें एटीएम के ईद-गिर्द लगे सीसी तथा संभावित गंतव्य स्थानों पर लगे कैमरों की फूटेज खंगाल रही है। इस संबंध में गरोठ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक बलवीरसिंह यादव ने बताया कि सुराग जुटाने संबंधी छानबीन चल रही है। शीघ्र ही आरोपी पकड़े जाएंगे।

2015 में डिगांव के समीप एटीएम को ही उखाड़ गए थे बदमाश- गौरतलब है कि वर्ष 2015 में डिगांव के समीप एटीएम मशीन को ही बदमाशों की टीम उखाड़ गई थी। तब भी बड़ी राशि एटीएम से चुराई गई थी । हालांकि, पुलिस ने लम्बी पतारसी के बाद आरोपियों को हिरासत में लिया था, उस समय 8 आरोपी पकड़े गए थे । छानबीन के दौरान एक गांव के बाहर मगरे पर एटीएम के पुर्जे काटकर बदमाश फेंक गए थे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 92 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 92 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों में भूमि संबंधी विवाद, अतिक्रमण हटाने, सीमांकन, पेंशन, स्वरोजगार, क्षतिपूर्ति एवं मुआवजा सहित विभिन्न समस्याएं शामिल थीं। पूर्व आवेदन पर त्वरित कार्रवाई से खुला रास्ता कलेक्टर के निर्देश पर पूर्व में जनसुनवाई में ग्राम बामनी निवासी मानक गयरी द्वारा निजी भूमि तक जाने वाले रास्ते पर जाली लगाकर अवरोध किए जाने की शिकायत का निराकरण किया गया। राजस्व अमले ने मौके पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की। कलेक्टर के आदेश के पालन में गठित दल ने पुलिस बल की मौजूदगी में मौके पर रास्ता खुलवाकर शिकायत का निराकरण किया।

जनसुनवाई में फूलपूरा के रवि शर्मा ने शासकीय आबादी क्षेत्र की विवादित भूमि पर अवैध पक्का निर्माण एवं कब्जे, बघाना के एहमद खान ने वृद्धावस्था पेंशन, बनी की रामकन्याबाई ने पट्टे की भूमि पर जबरन कब्जे, राबडिया के प्रहलाद पाटीदार ने एमपीआईडीसी के विकास कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त कृषि सिंचाई पाइपलाइन की मरम्मत एवं क्षतिपूर्ति, जावद के सलीम ने अतिक्रमण हटाने तथा धनगांव के खजवाणिया सुनाज समाज के नागरिकों ने मंदिर प्रांगण में सत्संग भवन निर्माण की राशि के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए।

इसी प्रकार बरूखेड़ा के दिव्यांग लालाराम बलाई ने स्वरोजगार के लिए थ्री-व्हीलर वाहन, कड़ी खुर्द के देवीलाल एवं रावणरूंडी के सागरमल ने कृषि भूमि के सीमांकन, नयागांव के किशोर ने अतिक्रमण हटाने तथा नीमच की उर्मिला सोनी ने कृषि भूमि से अवैध कब्जा हटाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने सभी प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

एमडी ड्रग्स व डोडाचूरा के साथ दो भाई पकड़ाए, एक फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई आबादी थाना पुलिस ने एमडी ड्रग्स एवं डोडा चूरा बरामद कर दो आरोपियों को पकड़ा है, जो भाई हैं। जबकि एक युवक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। थाना पुलिस के अनुसार सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी नाजिश पिता मेहबूब खां 19 वर्ष एवं शाहरुख पिता मेहबूब खां 28 वर्ष दोनों निवासी नयापुरा मंदसौर को हिरासत में लिया गया। तलाशी में इनके कब्जे से 190 ग्राम एमडी ड्रग्स और 3.6 किलो डोडाचूरा मिला। साथ ही घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व दो एप्पल तथा एक सैमसंग कंपनी का मोबाईल भी जब्त किया गया है। मामले में एक आरोपी अच्युत पठान निवासी हुसैनिया प्रतापगढ़ राज. फरार है, जिसकी तलाश की गई, लेकिन वह नहीं मिल सका। पुलिस ने मामले में जांच शुरू की है।

अफजलपुर, सुवासरा व अजाक थाने के प्रभारी बदले, बूढ़ा चौकी में पूर्णिमा बनी प्रभारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अगस्त माह की आधी रात पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने तीन थानों के प्रभारियों में फेरबदल किया है। साथ ही एक चौकी प्रभारी भी बदले गए हैं, वहीं कुछ पुलिसकर्मियों को लाईन व लाईन से थाने भेजा गया है। जारी सूची के अनुसार सुवासरा थाने के कार्यवाहक निरीक्षक राजेन्द्रसिंह बघेल को हटाते हुए लाईन में पदस्थ किया गया है। उनकी जगह सुवासरा थाने का इंचार्ज निरीक्षक भगवानलाल बीरा को दिया गया है। निरीक्षक बलवंतसिंह चौधरी को पुलिस लाईन से अजाक थाने का प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा अफजलपुर थाना प्रभारी के रूप में उपनिरीक्षक विकास गेहलोत को पदस्थ किया गया है, व बूढ़ा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक पूर्णिमासिंह राजपूत को बनाया गया है। अफजलपुर थाना प्रभारी रहे निरीक्षक हीरा मालवीय को लाईन भेजा जा चुका है। साथ ही प्रधान आरक्षक चालक विरेन्द्रसिंह को पुलिस लाईन से चौकी कचनारा में भेजा गया है। प्रधान आरक्षक मनोहरदास बैरागी को कचनारा चौकी से लाईन में पदस्थ किया गया है, वहीं प्रआर रमेश राजा को सीतामऊ थाने से पुलिस लाईन में ट्रांसफर किया गया है।

मंदसौर की बेटी हिमशिखा को भोपाल में मुख्यमंत्री खिलाड़ी सम्मान मिला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश स्तर की वॉलीबॉल खिलाड़ी के रूप में मंदसौर की बेटी हिम शिखा यादव को भोपाल में आयोजित भव्य मुख्यमंत्री खिलाड़ी सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। प्रदेश भाजपा खेल प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भोपाल में मुख्यमंत्री खिलाड़ी सम्मान समारोह एवं हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के अवॉर्डी खिलाड़ियों सहित अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंदसौर की प्रतिभावान वॉलीबॉल खिलाड़ी हिम शिखा यादव को प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों का सम्मान प्रदेश के खेल एवं युवक कल्याण मंत्री डॉ.विश्वास सारंग तथा भाजपा खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मानसिंह यादव ने किया। इस अवसर पर भाजपा खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक शांतिलाल मालवीय, बीपीएड संघ के प्रदेश अध्यक्ष बंशी राठौर सहित प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। आयोजकों ने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हैं और प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित यह समारोह उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

रतनगढ़ में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, खड़गे के कथित अपमान और राहुल गांधी पर FIR के खिलाफ उठी आवाज

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा स्थल पर किए गए कथित 'शुद्धिकरण' और इस मामले में आवाज उठाने वाले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में बुधवार को रतनगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।

ब्लॉक युवा कांग्रेस रतनगढ़ और अनुसूचित जनजाति विभाग के संयुक्त नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि संविधान देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है और जाति के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं किया जा सकता।

युवा कांग्रेस ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रही है। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कथित अपमान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि बहुजन समाज और संविधान की भावना का अपमान है।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा लोकतांत्रिक आवाज को दबाने के प्रयास बंद करने की मांग की।

कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा और सामाजिक न्याय की लड़ाई मजबूती से लड़ी जाएगी।

प्रदर्शन में अनुसूचित जनजाति ब्लॉक अध्यक्ष रामस्वरूप सोलंकी, रतनगढ़ नगर कांग्रेस अध्यक्ष लखन भाटी, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव अर्जुन बैरागी, युवा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित शर्मा, युवा कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष कमल छपरीबंद, अनुसूचित जनजाति जिला महासचिव मदन मेघवाल, पार्षद लक्ष्मी नारायण सोलंकी, पार्षद प्रतिनिधि बलवंत वर्मा, पूर्व पार्षद आजाद शाह, किसान नेता नानालाल चारण, अल्पसंख्यक नेता गब्बर भाई, डॉ. राजेश सोलंकी, युवा नेता प्रदीप तिवारी, निर्मल पाटीदार, नारू भाई, मोहम्मदी भाई, राहुल छपरीबंद, नितिन सोलंकी, पिंकेश सोलंकी, सरफराज नीलगर, रतनदास बैरागी, कालू मकवाना, ईश्वर व्यास, प्रहलाद चरण, कमलेश मेघवाल, जगदीश मेघवाल, जाकिर मंसूरी, हुसैन मामू, आयुष सोनी, आशिक मंसूरी, देवराज वर्मा और जाकिर भाई गरवाड़ा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुल्लानपुरा में गोली चली, हाथ में लगने से एक घायल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यशोधर्मन नगर थाने के तहत मुल्लानपुरा गांव में मंगलवार शाम को गोली चलने से एक व्यक्ति घायल हो गया। पीड़ित के हाथ में गोली लगना बताया गया है, जिसका जिला अस्पताल में उपचार कराया गया है। मुल्लानपुरा चौकी प्रभारी जगदीश ठाकुर ने बताया कि पुराना विवाद है जिसमें पिछली बार भी झगड़ा हुआ था। आपसी विवाद में मंगलवार को भी सामना हुआ। मामले में जाकिर पिता रमजान सुसाडिया घायल हुआ है, जो अपने हाथ में गोली लगना बता रहा है। घायल ने जिनके नाम लिए हैं, उसमें पतारसी की जा रही है।

चार बच्चों की हत्या के आरोप में मां को उम्रकैद की सजा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश गरोठ श्री निरंजन कुमार पांचाल की अदालत ने एक महिला को अपने चार बच्चों की हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। घटना के अनुसार ग्राम पीपलखेड़ा की निवासी सुगनाबाई पति रोडसिंह बंजारा अपने पति रोडसिंह की प्रताड़ना से तंग थी। इस कारण उसने अपने खेत पर बने कुएं में दिनांक 04 जुलाई 2024 को सुबह 6.15 बजे के आसपास अपने चार बच्चों कार्तिक दो वर्ष, बंटी 9 वर्ष, अनुष्का 7 वर्ष एवं मुस्कान 4 वर्ष को धकेलकर खुद भी पानी से भरे कुएं में कूद गई थीं। इस घटना में चारों बच्चों की मृत्यु हो गई थी तथा उनकी मां सुगनाबाई जीवित बच गई। घटना की सूचना पर थाना गरोठ में अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपिया सुगनाबाई व पति रोडसिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। रोडसिंह शराब पीने का आदी था तथा आए दिन पत्नी सुगनाबाई से झगड़ा कर प्रताड़ित करता था। प्रकरण में न्यायालय ने निर्णय दिनांक 31 अगस्त 2026 को आरोपिया सुगनाबाई को धारा 103 (1) बीएनएस में प्रत्येक बच्चे की मृत्यु के लिए पृथक-पृथक आजीवन कारावास एवं दो-दो हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

समय-सीमा पत्रों के निराकरण और साप्ताहिक लक्ष्यपूर्ति को गंभीरता से लें- कलेक्टर श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने विभिन्न विभागों के कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को समय-सीमा एवं सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकरण करने तथा निर्धारित साप्ताहिक लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने कहा कि सभी अधिकारी अद्यतन एवं संपूर्ण विभागीय जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित हों तथा लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि - महिला एवं बाल विकास विभाग यह सुनिश्चित करे कि टेक होम राशन पात्र बच्चों एवं महिलाओं तक नियमित रूप से पहुंचे। जिन समूहों द्वारा टेक होम राशन का वितरण नहीं किया जा रहा है, उन्हें नोटिस जारी कर नियमानुसार हटाने की कार्रवाई की जाए। जिले में सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण एवं विकास की कार्ययोजना भी तैयार की जाए।

- नगरपालिका एवं नगरीय निकाय मुख्य मार्गों के फुटपाथ सहित शहर के अन्य क्षेत्रों में किए गए अतिक्रमण को चिन्हित कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करें और अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करें।

- सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण करें। खराब रैंकिंग वाले विभाग विशेष रूप से लंबित शिकायतों के निराकरण पर ध्यान दें।

- सभी एल-1 अधिकारी अपने स्तर पर लंबित एवं नॉन-अटेंडेंट शिकायतों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। निराकरण योग्य शिकायतों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

- सभी जिला अधिकारी समय-सीमा पत्रों, सीएम हेल्पलाइन तथा अन्य लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर साप्ताहिक लक्ष्य समय पर पूरा करें।

- संबंधित विभाग शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की मैदानी स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने स्पष्ट किया कि निराकरण योग्य प्रकरणों को लंबित रखना गंभीरता से लिया जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के निराकरण में गुणवत्ता एवं संतुष्टि दोनों का विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव,डीएफओए श्री एस.के.अटोदे,एडीएम श्री बी.एस. कलेश, एसडीएम नीमच श्री पराग जैन, एसडीएम जावद श्री संजीव साहू, एसडीएम मनासा सुश्री किरण आंजना,डिप्टी कलेक्टर श्रीमती मयूरी जोक, सुश्री श्रुति भयडीया, श्री चंद्र सिंह धार्वे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

अमृत सरोवर से अमावली जागीर में जल संरक्षण को मिली मजबूती, नीमच में 18 अमृत सरोवरों का निर्माण पूर्ण, प्रत्येक की 15 हजार घन मीटर से अधिक है जल संग्रहण क्षमता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के संकल्प को साकार करने की दिशा में नीमच जिले में निरंतर जल संरचनाओं का निर्माण एवं संरक्षण किया जा रहा है। इसी प्रयास का सुखद परिणाम ग्राम अमावली जागीर में देखने को मिल रहा है, जहां जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लगभग 19 लाख रुपये की लागत से निर्मित अमृत सरोवर पहली ही बारिश में लबालब भर गया है।

ग्राम के समीप निर्मित इस अमृत सरोवर में 15 हजार घन मीटर से अधिक जल संग्रहण क्षमता है। बारिश की बूंद-बूंद को सहेजकर भरे इस सरोवर ने ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी ला दी है। ग्रामीणों के लिए यह केवल जल संग्रहण की संरचना नहीं, बल्कि जल सुरक्षा, पशुपालन,आजीविका और आने वाले बेहतर कल की उम्मीद बनकर उभरा है।

जल संरक्षण से भूजल संवर्धन तक- अमृत सरोवर में संग्रहित वर्षा जल के परकोलेशन से आसपास के भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे क्षेत्र में सतही एवं भूजल की उपलब्धता मजबूत होगी। सरोवर के आसपास बनी नमी से स्थानीय जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।

सरोवर से ग्रामीणों के साथ-साथ पशुपालकों को भी लाभ मिलेगा। इसके आसपास विकसित हो रहे प्राकृतिक चारागाह से पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता बढ़ने की संभावना है, जिससे पशुपालन को प्रोत्साहन और ग्रामीण परिवारों की आय के अतिरिक्त साधन विकसित होंगे।

कलेक्टर के निर्देशन में जिले में जल संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण पर जोर- कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नीमच जिले में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को प्राथमिकता देते हुए इस वर्ष 18 अमृत सरोवरों का निर्माण पूर्ण किया गया है।प्रत्येक अमृत सरोवर की जलग्रहण क्षमता 15 हजार घन मीटर से अधिक है।

नीमच जिला केंद्रीय भूजल संवर्धन बोर्ड की गाइडलाइन के अनुसार अति-दोहित श्रेणी में आता है। ऐसे में जिले में वर्षा जल को संरक्षित कर भूजल स्तर बढ़ाने के लिए निर्मित अमृत सरोवर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये संरचनाएं तत्काल जल आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ भविष्य के लिए स्थायी जल स्रोत विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

जल से आजीविका तक–अमृत सरोवर बनेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था का केंद्र- आगामी समय में सभी अमृत सरोवरों में उपयोगकर्ता समूह गठित किए जाएंगे।

सम्पादकीय

मुश्किलों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने दिखाया दम, अब रफ्तार कायम रखना चुनौती

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल से जून 2026) के राष्ट्रीय आय संबंधी आंकड़े सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को जारी किए। आंकड़ों के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत वृद्धि की राह पर बनी हुई है। तिमाही में स्थिर कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह वृद्धि 6.9 प्रतिशत थी।

यह ईरान युद्ध शुरू होने के बाद की पहली पूरी तिमाही थी। यानी ईरान युद्ध का असर उतना गंभीर नहीं रहा जितनी आशंका शुरुआती दिनों में जताई गई थी। ध्यान रहे कि भारत अपनी कच्चे तेल और गैस की अधिकांश जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है और संकट के शुरुआती दिनों में आपूर्ति कुछ बाधित भी हुई थी।

पश्चिम एशिया संकट के कारण पैदा हुई इन बाधाओं को देखते हुए यह कहना उचित होगा कि इस अवधि के दौरान अर्थव्यवस्था का प्रबंधन अच्छे तरह किया गया। आर्थिक गतिविधियों को मापने के लिए अधिक उपयुक्त माने जाने वाले सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) में इस तिमाही के दौरान 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

समग्र वृद्धि को द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन का सहारा मिला। द्वितीयक क्षेत्र में विनिर्माण गतिविधि में इस तिमाही के दौरान 9.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में इसमें वृद्धि 8.3 प्रतिशत थी। निर्माण क्षेत्र में भी सुधार हुआ और इसकी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही जो गत वर्ष 5.2 प्रतिशत थी। तृतीयक क्षेत्र में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 8 प्रतिशत थी। हालांकि प्राथमिक क्षेत्र का प्रदर्शन इस तिमाही में कमजोर रहा। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 4.4 प्रतिशत थी।

इस वर्ष सामान्य से कम मॉनसून के कारण कृषि वृद्धि दबाव में रह सकती है। खनन और उत्खनन क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई। तिमाही के दौरान निजी अंतिम उपभोग व्यय में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह पिछले वर्ष की तुलना में सुधार है लेकिन कुल जीडीपी वृद्धि दर से कम है। हालांकि, निवेश का प्रदर्शन अच्छा रहा। इसमें 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह वृद्धि केवल 5.8 प्रतिशत थी।

जीडीपी में पूंजी निर्माण की हिस्सेदारी भी वर्तमान कीमतों पर बढ़कर 34.3 प्रतिशत हो गई। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पूंजी निर्माण में यह वृद्धि कितनी व्यापक है और क्या आने वाली तिमाहियों में इसे कायम रखा जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने में महत्वपूर्ण रूप से मदद करेगी।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि आर्थिक वृद्धि को 2025 में प्रत्यक्ष करों में दी गई राहत और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में की गई कटौती जैसे कदमों से सहारा मिला। मौद्रिक नीति भी वृद्धि के अनुकूल रही। यद्यपि आने वाली तिमाहियों में इनमें से कुछ उपायों का असर कम होने की संभावना है।

महंगाई के अनुमान भी संकेत देते हैं कि आने वाले महीनों में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की जरूरत पड़ सकती है। वृद्धि के मजबूत आंकड़े नीतिगत दर बढ़ाने के पक्ष में तर्क को और मजबूत करेंगे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है तथा कच्चे तेल की कीमतें अब भी ऊंची बनी हुई हैं। इसके अलावा आने वाले महीनों में वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों में उल्लेखनीय सख्ती का जोखिम है जिसका असर पूंजी प्रवाह और निवेश पर पड़ सकता है। ये सभी कारक अगले कुछ तिमाहियों में आर्थिक गतिविधियों और वृद्धि को प्रभावित कर सकते हैं।

आत्मसम्मान, सहजयोग के मार्ग पर आत्मबोध की पहली सीढ़ी

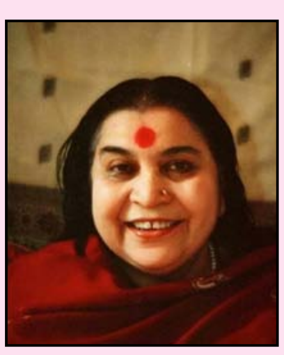

मानव जीवन में अनेक सद्गुणों का महत्व है, लेकिन आत्मसम्मान ऐसा गुण है जो व्यक्ति के आंतरिक विकास, व्यक्तित्व की गरिमा और आध्यात्मिक उन्नति का मजबूत आधार बनता है। प.पू. श्री माताजी निर्मला देवी ने 27 मई 1989 के अपने संदेश में आत्मसम्मान के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा था कि आत्मसम्मान सहजयोग की पहली सीढ़ी है।

आत्मसम्मान को अक्सर अहंकार के साथ जोड़ दिया जाता है, जबकि दोनों में मूलभूत अंतर है। अहंकार व्यक्ति को स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ समझने की ओर ले जाता है, वहीं आत्मसम्मान व्यक्ति को अपने भीतर स्थित दिव्यता, पवित्रता और आत्मिक मूल्य का बोध कराता है। आत्मसम्मान से युक्त व्यक्ति को अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए किसी से प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता महसूस नहीं होती।

आज के जीवन में छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद, बहस और कटुता बढ़ती दिखाई देती है। अनेक बार व्यक्ति दूसरों की बातों या व्यवहार पर तुरंत प्रतिक्रिया करता है और अपनी मानसिक शांति खो देता है। ऐसे समय में आत्मसम्मान और विवेक व्यक्ति को यह समझने की शक्ति देते हैं कि प्रत्येक बात का उत्तर देना आवश्यक नहीं है। समझदार व्यक्ति पहले यह देखता है कि किसी विषय पर विवाद करना वास्तव में उचित और आवश्यक है या नहीं।

जिस व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप का बोध होता है, वह अपनी ऊर्जा को निरर्थक तर्क-वितर्क और संघर्ष में व्यर्थ नहीं करता। वह अपने समय और शक्ति का उपयोग आत्मविकास, अपने दायित्वों और आध्यात्मिक उन्नति के लिए करता है। आत्मसम्मान व्यक्ति को भीतर से स्थिर बनाता है और परिस्थितियों के बीच संतुलित रहने की क्षमता प्रदान करता है।

हालांकि आत्मसम्मान का अर्थ निष्क्रिय रहना या अन्याय को सहन करना भी नहीं है। जब सत्य और धर्म की रक्षा का प्रश्न सामने आता है, तब आत्मसम्मान व्यक्ति में साहस और दृढ़ता उत्पन्न करता है। वह बिना क्रोध, द्वेष या आक्रामकता के सत्य के पक्ष में खड़ा होता है। उसकी शक्ति किसी व्यक्ति का विरोध करने में नहीं, बल्कि सत्य के प्रति उसकी निष्ठा में होती है। सहजयोग की साधना व्यक्ति को अपने भीतर स्थित आत्मा के प्रकाश से जोड़ने का मार्ग प्रदान करती है। आत्मबोध के इस अनुभव से व्यक्ति को अपने वास्तविक मूल्य व आंतरिक गरिमा का अनुभव होने लगता है। धीरे-धीरे उसके व्यवहार में शांति, संतुलन, विवेक और आत्मविश्वास दिखने लगता है। आत्मसम्मान से परिपूर्ण व्यक्ति दूसरों का सम्मान करना भी सीखता है। वह न तो किसी को अनावश्यक रूप से अपमानित करता है और न ही अपने आत्मिक गौरव को ठेस पहुँचाने वाले व्यवहार को सहजता से स्वीकार करता है। उसके संबंधों में प्रेम और करुणा होती है तथा उसके निर्णयों में विवेक और संतुलन दिखाई देता है।

प.पू. श्री माताजी का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता, प्रतिस्पर्धा और तनाव के बीच यदि व्यक्ति अपने भीतर के आत्मसम्मान से जुड़ा रहे, तो वह बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना अपने जीवन को अधिक गरिमापूर्ण और संतुलित बना सकता है।

सहजयोग हमें यह समझने की प्रेरणा देता है कि सच्चा सम्मान बाहर से प्राप्त होने वाली प्रशंसा में नहीं, बल्कि अपने भीतर की आत्मिक शक्ति को पहचानने में है। जब आत्मसम्मान हमारे विचारों, वाणी और कर्मों का आधार बन जाता है, तब जीवन में एक स्वाभाविक गरिमा और शांति का विकास होता है। इसलिए प्रत्येक साधक के लिए आवश्यक है कि वह अपने भीतर आत्मसम्मान को जागृत करे, उसे निरंतर विकसित करे और सत्य, प्रेम, करुणा तथा धर्म के मार्ग पर चलते हुए अपने आचरण में उतारे। आत्मसम्मान व्यक्ति को केवल बेहतर मनुष्य ही नहीं बनाता, बल्कि उसे अपने आध्यात्मिक स्वरूप की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देता है।

मेसी की आखिरी पास, अब नई पीढ़ी के पैरों के नाम

मेसी के जाने की खबर उन आंखों को सबसे ज्यादा चुभी, जिन्होंने उन्हें अपना भविष्य माना था। एक गेंद, कच्ची जमीन और उसे ठोकर मारता बच्चा–मेसी ने करोड़ों युवाओं को सपने देखने का हौसला दिया। किसी कमरे में उनकी तस्वीर थी, किसी की चाल में उनकी नकल। उन्हें लगता था, मेसी रहेंगे तो जादू रहेगा–वही तेज कदम, वही बायां पैर, वही असंभव गोल। अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास उन्हें कड़वा सच सिखा रहा है–समय किसी नायक के लिए नहीं रुकता। फिर भी यह हार नहीं। मेसी सपने लेकर नहीं गए; अपनी यात्रा की रोशनी युवाओं को सौंप गए। अब उनका जादू उन पैरों में दिखेगा, जो उनकी कहानी से प्रेरित होकर मैदान में उतरेंगे।

दुनिया ने मेसी को ट्रॉफी उठाते देखा, मगर उनके जीवन का सबसे गहरा खालीपन पिता जॉर्ज के जाने का है। पिता के लिए बेटे को ऊंचाइयों पर देखना सबसे बड़ा सुख, बेटे के लिए उस ऊंचाई पर पिता की आंखों को न पाना सबसे बड़ा दर्द है। जॉर्ज के निधन के बाद मेसी का यह फैसला इसलिए मार्मिक है कि इसमें महान खिलाड़ी से पहले एक बेटे का दर्द दिखता है। विश्व कप फाइनल में स्पेन से हार के दो दिन बाद लिखे उनके शब्दों को भी इसी पीड़ा में समझना चाहिए। युवाओं के लिए यह सबक है–हर सफलता के पीछे परिवार का साथ होता है और सबसे कठिन लड़ाइयां कई बार स्टेडियम में नहीं, भीतर लड़ी जाती हैं।

मेसी के 207 अंतरराष्ट्रीय मैच और 125 गोल के पीछे वह कहानी है, जो किसी स्कोरबोर्ड पर नहीं लिखी जाती। कितनी हारें मिलीं, कितनी आलोचनाएं सहीं, कितनी रातें जीत हाथ से निकल गई–इनका कोई हिसाब नहीं। यही अनदेखा संघर्ष युवाओं के लिए मेसी की असली पाठशाला है। महान खिलाड़ी वह नहीं जो कभी गिरता नहीं, बल्कि वह है जो गिरकर भी सपने से नाता नहीं तोड़ता। मेसी के पैरों ने जितने गोल किए, उनके संघर्ष ने उससे कहीं ज्यादा युवाओं में विश्वास जगाया। अब उनकी विदाई उस विश्वास को बुझाएगी नहीं; उसे अगली पीढ़ी की जिम्मेदारी बनाएगी।

एक तस्वीर में मेसी विश्व कप थामे खड़े हैं, दूसरी में हार के बाद लौटते हुए। यही दो तस्वीरें बताती हैं कि जिंदगी का कोई अंत हमेशा जीत से नहीं होता। 2022 की विश्व कप जीत ने एक पीढ़ी को लगा था कि मेसी की कहानी पूरी हो गई, लेकिन 2026 के फाइनल में स्पेन से मिली हार ने तस्वीर बदल दी। युवाओं के लिए यही सबसे बड़ा सबक है–सपना पूरा होना अंत नहीं और अधूरा रह जाना हार नहीं। मेसी ने शिखर देखा, हार देखी और फिर मैदान से हटने का फैसला किया। पिता जॉर्ज की मृत्यु के बाद यह निर्णय और मार्मिक हो जाता है। यह उस क्षण की ओर इशारा करता है, जब इंसान को दुनिया की उम्मीदों और अपने भीतर की आवाज में से एक चुनना पड़ता है। मेसी ने इस बार दुनिया नहीं, शायद अपने मन की सुनी।

मेसी के जाने के बाद खाली हुई जगह किसी एक खिलाड़ी से नहीं भरेगी; उसे एक पूरी पीढ़ी भरेगी। कल तक जो बच्चे उन्हें अपना आदर्श मानते थे, आज उनके सामने सवाल है–अब किसकी तरह बनें? शायद जवाब किसी एक नाम में नहीं, मेसी से मिली सीख में है। युवा खिलाड़ियों को अवसर देने की उनकी बात इसी विरासत को आगे बढ़ाती है। उनकी ड्रिब्लिंग की नकल करने वाले बच्चे अब उनके साहस को अपनाएं, उनके गोलों पर खुश होने वाले उनके धैर्य को और उनकी जीत से प्रेरित होने वाले उनकी हार से सीखें। महान खिलाड़ी की असली विरासत रिकॉर्ड नहीं, दूसरों के भीतर जगाया आत्मविश्वास होती है। मेसी अब मैदान से ज्यादा उन युवाओं के सपनों में दिखाई देंगे, जो उनकी रोशनी लेकर आगे बढ़ेंगे।

तालियां थम जाने के बाद ही किसी खिलाड़ी की असली कहानी सुनाई देती है। खाली मैदान में घास पर बचे कदमों के निशान जैसे कहते हैं कि मेसी ने अपना जीवन फुटबॉल को सौंप दिया। उनका संन्यास युवाओं को समझाता है कि सपने पाने की कीमत समय, परिवार की उम्मीदों और कई बार अपनी खुशियों से चुकानी पड़ती है। पिता की स्मृति इस त्याग को और गहरा करती है। अब युवा समझ रहे हैं कि महानता केवल तालियां बटोरना नहीं, बल्कि उन रिश्तों और दर्द को साथ लेकर चलना है, जिन्हें दुनिया कभी देख नहीं पाती।

मेसी मैदान से हटे हैं, अर्जेंटीना के दिल से नहीं। उनका यह भाव कि वे हमेशा राष्ट्रीय टीम का हिस्सा रहेंगे, बताता है कि कुछ रिश्ते जर्सी के साथ खत्म नहीं होते। जर्सी उतारी जा सकती है, देश के लिए प्रेम नहीं; खिलाड़ी संन्यास ले सकता है, उसकी स्मृति नहीं। अब युवा अपनी अधूरी उम्मीदें नए चेहरों में तलाशेंगे–किसी की पहली बड़ी जीत में मेसी की मुस्कान, किसी निर्णायक क्षण में उनका साहस और किसी हार के बाद लौटने में उनका धैर्य। सपने किसी एक खिलाड़ी के नहीं होते। एक जाता है, तो वही सपना दूसरे के कंधों पर आगे बढ़ता है।

मेसी की असली विदाई उस दिन होगी, जब किसी बच्चे की आंखों में फुटबॉल का सपना बुझ जाएगा। इसलिए उनका आखिरी सलाम अंत नहीं, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपी मशाल है। 207 मैच, 125 गोल, 2022 की विश्व कप जीत, 2026 के फाइनल की हार, पिता जॉर्ज की स्मृति, युवाओं को अवसर देने की पुकार और राष्ट्रीय टीम से अटूट प्रेम–इन सबने एक खिलाड़ी नहीं, अमर विरासत गढ़ी है। अब किसी धूल भरी गली में कोई बच्चा गेंद उठाएगा; उसे शायद पता भी न हो कि उसके पीछे एक पूरा युग खड़ा है। मेसी मैदान से चले गए हैं, उनका सपना नहीं। अब वह सपना उन बच्चों के पैरों में दौड़ेगा। मेसी मैदान से विदा हुए, सपनों से नहीं।

-प्रो. आरके जैन

सप्तधारा बनाएगी विकसित भारत

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का एक स्पष्ट, पारदर्शी और दूरगामी खाका देश के सामने रखा। स्वतंत्रता दिवस समारोह के इतिहास में पहली बार संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन के साथ राष्ट्र ने अपनी क्षमताओं को सुदृढ़ करने का नया संकल्प लिया। 2022 के पंच प्रण से आगे बढ़ते हुए अब देश सप्तधारा (सामर्थ्य की सात धारा) के मार्ग पर आगे बढ़ चुका है, जो भारत की आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। सप्तधारा केवल सरकारी नीतियों का पुलिंदा नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक सपनों का प्रकटीकरण है। विकास की सप्तधारा के सात प्रमुख स्तंभ नए भारत की नींव रख रहे हैं।

इनमें पहला है विनिर्माण~ मेक इन इंडिया, स्वदेशी और वोकल फार लोकल के मंत्र ने जमीनी स्तर पर क्रांति ला दी है। 2014-15 में हमारा इलेक्ट्रानिक उत्पादन लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में करीब छह गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह मोबाइल फोन का उत्पादन 18,000 करोड़ रुपये से 28 गुना बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपये हो गया है। आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता देश है। मोबाइल फोन निर्यात में 127 गुना वृद्धि सिद्ध करती है कि भारत अब आयात पर निर्भर नहीं, बल्कि वैश्विक जरूरतों को पूरा करने वाला निर्यातक बन चुका है।

कृषि और खाद्य उत्पादन~ हमारे किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। सरकार का लक्ष्य किसानों को वैश्विक निर्यात बाजारों से जोड़ना है। 2013-14 में बागवानी उत्पादन 280.7 मिलियन टन था, जो अब 31 प्रतिशत बढ़कर 367.7 मिलियन टन हो गया है। मत्स्य उत्पादन में 104 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है, जो 96 लाख टन से 195 लाख टन तक पहुंच गई है। कृषि-खाद्य निर्यात में प्रसंस्कृत भोजन की हिस्सेदारी 13.7 से बढ़कर 20.4 प्रतिशत हो गई है। प्रौद्योगिकी और नवाचार~ नया भारत नवाचार का भारत है। 2014 से पहले देश में बमुश्किल 350 स्टार्टअप थे, आज 2026 में भारत के पास 2.3 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स की फौज है। यूनिकार्न कंपनियों की संख्या चार से बढ़कर 120 से अधिक हो गई है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में स्टार्टअप्स एक से बढ़कर लगभग 440 हो गए हैं। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है और ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 80वें स्थान से छलांग लगाकर 38वें स्थान पर आ गया है। एआइ, 6जी, क्वांटम प्रौद्योगिकी और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के जरिये देश के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है।

गति शक्तिः पीएम गति शक्ति योजना के तहत भारत में मल्टीमाडल कनेक्टिविटी का जाल बिछाया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 91,287 किमी से 60 प्रतिशत बढ़कर 1,46,000 किमी से अधिक हो गई है। हाई-स्पीड कारिडोर्स का निर्माण 32 गुना बढ़कर 3,052 किमी हो गया है।

-सुनील कुमार महला

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है।

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं।

आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है।

भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके। आज दुनिया चीन के विकल्प के रूप में विभिन्न उत्पादन केंद्रों की तलाश कर रही है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसी विशिष्ट ताकतें हैं। यदि भारत विनिर्माण, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो वह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में कहीं अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। 2047 का विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देशवासियों की सामूहिक आकांक्षा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर इस यात्रा में एक उत्साहजनक पड़ाव है, मंजिल नहीं। भारत को लगातार उच्च विकास दर, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और स्थिर आर्थिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा।

भारत की आर्थिक कहानी अब केवल आंकड़ों की कहानी नहीं रह गई है। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की कहानी बन रही है। दुनिया जब युद्ध और आर्थिक अस्थिरता की छाया में अपनी दिशा तलाश रही है, तब भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन उसे एक भरोसेमंद और संभावनाशील शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वैश्विक संकटों के बीच भी उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही आर्थिक नीतियों और योजनाओं को अब अगले चरण में अधिक रोजगार, अधिक निवेश, अधिक उत्पादन और अधिक समान अवसरों से जोड़ना होगा। भारत के आर्थिक आकाश पर उगता यह उजाला तभी स्थायी प्रकाश बनेगा, जब विकास की रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यही 2047 के विकसित भारत की वास्तविक कसौटी होगी और यही आर्थिक शक्ति को जनशक्ति में बदलने का मार्ग भी।

-ललित गर्ग

भारत-चीन रिश्तों की नई दिशा

बीते दिनों बीजिंग में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच विशेष प्रतिनिधि स्तर की 25वें दौर की वार्ता संपन्न हुई। सीमा संबंधी मुद्दों पर केंद्रित इस बैठक को दोनों देशों के नाजुक द्विपक्षीय रिश्तों को साधने की दिशा में एक अहम और नपा-तुला कदम कहा जा सकता है। दरअसल यह वार्ता अक्टूबर 2024 में एलएसी पर टकराव वाले बिंदुओं से सुरक्षा बलों की वापसी के समझौते और उसके उपरांत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच बनी सहमति की बुनियाद पर आगे बढ़ी है।

हालिया वार्ता का वास्तविक महत्व सीमा संबंधी मुद्दे पर किसी बड़ी या अप्रत्याशित उपलब्धि में नहीं, अपितु ऐसे स्थायी तंत्र की स्थापना से जुड़े प्रयासों में निहित है, जिससे किसी भावी टकराव को टाला जा सके और द्विपक्षीय राजनीतिक एवं आर्थिक जुड़ाव को चरणबद्ध रूप से बहाल किया जा सके। इस संदर्भ में आठ-सूत्रीय संयुक्त सहमति ऐसे संकेत भी करती है कि दोनों देश महज तात्कालिक सैन्य तनाव के समाधान से आगे बढ़कर द्विपक्षीय संबंधों को कहीं व्यापक स्थिरता प्रदान करने वाले एक औपचारिक एवं दीर्घकालिक तंत्र के निर्माण की दिशा में अग्रसर होते दिख रहे हैं।

इस बैठक का सर्वाधिक महत्वपूर्ण निष्कर्ष संयुक्त विशेषज्ञ समूह और समन्वय एवं परामर्श के लिए कार्यकारी ढांचा यानी डब्ल्यूएमसीसी के तहत सीमा प्रबंधन कार्य समूह को सीमांकन एवं प्रबंधन के मोर्चे पर त्वरित एवं ठोस प्रगति का लक्ष्य सौंपना है। यह शब्दावली खासी अर्थपूर्ण है। यह इस वास्तविकता को रेखांकित करती है कि सीमा विवाद का पूर्ण समाधान अभी कठिन भले ही हो, लेकिन यह वार्ता उन क्रमिक समझौतों की जमीन जरूर तैयार करती है, जिनसे सीमावर्ती इलाकों में अनिश्चितता और तनाव को घटाया जा सके। इस क्रम में दोनों सेनाओं के बीच सीधा संपर्क तंत्र भी उतना ही अहम है। वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के बीच बातचीत के लिए दो नए बैठक स्थल बनाने और पूर्वी एवं मध्य सेक्टरों में दो नई हाटलाइंस स्थापित करने पर सहमति बनी है। असीमांकित एलएसी के किसी भी ऐसे मोर्चे पर जहां किसी स्थानीय झड़प के बड़ा रूप लेने की आशंका हो, वहां ऐसा तंत्र उसे नरम करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

वर्ष 2005 के राजनीतिक मानदंडों और मार्गदर्शक सिद्धांतों वाले समझौते की पुष्टि भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। इस दिशा में न्यायसंगत, तर्कसंगत और परस्पर स्वीकार्य समाधान के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए दोनों देशों ने सीमा संबंधी मुद्दे के अंतिम समाधान के राजनीतिक तंत्र को कायम रखा है। हालांकि इस मोर्चे पर किसी ठोस प्रगति के लिए अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। बहरहाल वार्ता से यह भी स्पष्ट है कि भारत और चीन दोनों ही सीमा विवादों के साए को समग्र रिश्तों पर हावी रहने देने के नुकसान को संभवत~ समझने लगे हैं। इस सिलसिले में कैलास मानसरोवर यात्रा की बहाली और चिह्नित दर्रों से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने पर सहमति दरअसल लोगों के बीच संपर्क और व्यापारिक संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की तैयारी है। इसके साथ ही साझा नदियों पर विशेषज्ञ समूह की बैठक का निर्णय यह रेखांकित करता है कि दोनों पक्ष रणनीतिक असहमतियों के बीच भी उन मुद्दों पर संवाद बहाली के इच्छुक हैं, जहां परस्पर हित जुड़े हुए हैं।

अब भारत 26वें दौर की वार्ता की मेजबानी करेगा, जिसमें इस सक्रियता के लिए संस्थागत आधार और मजबूत होने की उम्मीद है। चीन में हुई वार्ता के रुझान दर्शाते हैं कि किसी तात्कालिक संकट को टालने के बजाय स्थिरता और स्थायित्व पर कहीं अधिक जोर है। दोनों देशों का %प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि साझीदार% होने पर बल देना तल्ख रणनीतिक शब्दावली को नरम करने और कूटनीतिक जुड़ाव का माहौल बनाने की ही जुगत अधिक लगती है। हालांकि अतीत को देखते ऐसे प्रयासों को द्विपक्षीय संबंधों के मूलभूत स्वरूप में किसी आमूलचूल परिवर्तन के तौर पर नहीं देखा जा सकता। फिर भी, कुछ बिंदुओं का उल्लेख महत्वपूर्ण है। जैसे दोनों सेनाओं के बीच नई संवाद व्यवस्था से स्थानीय झड़पों के बड़ा रूप लेने का जोखिम घटेगा।

इसके लिए परस्पर विश्वास और नियमित संवाद आवश्यक होगा। त्वरित प्रगति का दृष्टिकोण जमीनी हकीकत को दर्शाता है कि सीमा विवाद का पूर्ण समाधान तुरंत संभव नहीं है, लिहाजा क्रमबद्ध समझौतों के माध्यम से ही टकराव घटाने और विश्वास कायम करने की उम्मीद की जा सकती है। वहीं, कैलास मानसरोवर यात्रा और सीमावर्ती व्यापार का धीरे-धीरे खुलना भी यह रेखांकित करता है कि दोनों देश रिश्तों को अलग-अलग खांचों में बांटकर आगे बढ़ने की रणनीति अपना रहे हैं, ताकि बड़े रणनीतिक विवादों के बावजूद चुनिंदा क्षेत्रों में सहयोग जारी रखा जा सके।

भारत और चीन के बीच बनी इस सहमति का समय भी महत्वपूर्ण है, जो द्विपक्षीय स्तर कुछ कूटनीतिक स्थिरता प्रदान करता है। खासतौर से तब, जब दोनों देश शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंचों पर सक्रियता बढ़ा रहे हैं।

इस सबके बावजूद हालिया वार्ता को एक बड़ा रणनीतिक बदलाव मानने के बजाय तनाव को घटाने की कवायद भर समझा जाना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि दोनों देशों के बीच अविश्वास की जड़ें काफी गहरी हैं। एलएसी पर इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण, हिमालयी सीमा पर सैन्य शक्ति का संतुलन, गहराता व्यापार घाटा और क्षेत्रीय दबदबे की होड़ जैसे पहलू भविष्य में भी भारतीय नीति की दिशा को निर्धारित करेंगे। स्पष्ट है कि भारत कूटनीतिक उम्मीदों के फेर में पड़कर अपनी रणनीतिक चौकसी और तैयारियों में कोई ढिलाई नहीं बरतेगा। कुल मिलाकर, 25वें दौर की इस वार्ता का मर्म यही है कि भारत और चीन के रिश्ते 2020 से पहले वाली स्थिति में वापस नहीं जा रहे, बल्कि अब नियंत्रित होड़ के नए दौर में दाखिल हो चुके हैं। इसका उद्देश्य दोनों देशों की बुनियादी सामरिक प्रतिस्पर्धा की रेखा को एकाएक मिटाना नहीं, बल्कि एक तरह से उसे धुंधला कर किसी नए सैन्य टकराव में तब्दील होने से रोकना है।

-धनंजय राजौरा

बिल्कुल, वार जैसे शब्द हटाकर, इसे गंभीर और प्रभावी अखबारी शैली में इस तरह लिखा जा सकता है

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 2700 किलो महुआ लाहन जब्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर देवास ऋतुराज सिंह के निर्देशन, जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के मार्गदर्शन एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप कनासे के नेतृत्व में 1 सितंबर को आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने वृत्त देवास (ब) क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की।

आबकारी टीम ने ग्राम बरोठा के सासी मोहल्ला, ग्राम भीलाखेड़ा तथा देवास शहर में भोलेनाथ मंदिर के पास बालगढ़ रोड, बिहारी गंज, बस स्टैंड एवं कंजर मोहल्ला सहित अन्य स्थानों पर दबिश देकर करीब 2700 किलोग्राम महुआ लाहन, 55 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 10 पाव विदेशी मदिरा एवं 85 पाव देशी प्लेन मदिरा जब्त की।

जब्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य 2 लाख 89 हजार 10 रुपए बताया गया है। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत 10 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए हैं।

इन अधिकारियों-कर्मचारियों की रही भूमिका- कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, राजश्री खन्ना गहलोत, दीपक धुरिया एवं अरविंद सिंह सोलंकी, आबकारी मुख्य आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, सुरेंद्र वर्सी एवं गोविंद तथा आबकारी आरक्षक सनत ओझा, आशीष गुप्ता, निहाल खत्री, निकिता परमार एवं सविता धाकड़ शामिल रहे। नगर सैनिक अनिल चौहान ने भी कार्रवाई में सहयोग किया।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रखने की बात कही गई है।

तीसरी नजर की जद में रहेगा शाजापुर जिला

एसपी की नई पहल 53 दिनों में लगाए 250 सीसीटीवी कैमरे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले को अपराधमुक्त बनाने के लिए पुलिस विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में एसपी प्रियंका शुक्ला द्वारा नई पहल की गई है। जिनके माध्यम से व लोगों के सहयोग से जिले भर में 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं ताकि अपराधी बच न सके और पुलिस गिरफ्त में आ सके।

एसपी द्वारा की गई इस पहल के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 64 स्थानों पर कुल 250 सीसीटीवी कैमरे ग्राम पंचायत एवं जन सहयोग के सहयोग से स्थापित किए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से प्रमुख चैराहों, बाजारों, मार्गों एवं संवेदनशील स्थानों पर आसानी से निगरानी रखी जा सकेगी।

53 दिनों में लगाए 250 से अधिक कैमरे- अभियान की शुरूआत 10 जुलाई से की गई थी। जिसके चलते अब तक जन सहयोग एवं ग्राम पंचायतों के सहयोग से सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने की दिशा में लगातार कार्य किया गया। इस प्रकार लगभग 1 माह 21 दिन (कुल 53 दिन) की अवधि में विभिन्न स्थानों पर 250 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए। इन सीसीटीवी कैमरों से पुलिस को अपराधों की रोकथाम एवं अपराध घटित होने की स्थिति में घटनाओं के साक्ष्य जुटाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। साथ ही बाजारों एवं प्रमुख स्थानों पर निगरानी बढ़ने से असामाजिक एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलेगी।

आमजनों से भी की अपील- एसपी श्रीमती शुक्ला ने आमजन, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों से भी अपील की है कि वे जन सुरक्षा की इस महत्वपूर्ण पहल में अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करें। ताकि जिले के शेष चिन्हित स्थानों पर भी सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर एक मजबूत एवं प्रभावी निगरानी तंत्र विकसित किया जा सके।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सोलंकी ने नागरिकों की समस्याएं सुन अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी एवं अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन ने आवेदकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि भूमि का सीमांकन, बैंक खाते में जमा राशि दिलाए जाने, जलकर में रियायत दिलाई जाने, बिजली बिल कम कराने, पेंशन शुरू कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामांकन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, कृषि भूमि का नामांतरण कराने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। आवेदनों पर सुनवाई करते हुए अपर कलेक्टर जैन ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती विशाखा देशमुख, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंशु जावला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

फिर जागी बारिश की उम्मीद, कल से 3 दिन बारिश के आसार

सिस्टम हो रहा सक्रिय, अच्छी बारिश के आसार

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अल्पवर्षा का दंश झेल रहे नगरवासियों के लिए मौसम विभाग ने फिर बारिश की उम्मीद जताई है। जिसके अनुसार 3 सितंबर से नगर में बेहतर बारिश की संभावना बन रही है जो तीन दिनों तक जारी रह सकती है। जिससे बांध का जलस्तर भी बढ़ेगा तो पानी की आपूर्ति भी हो सकेगी।

जून माह से शुरू हुआ मानसून अब तक नगरवासियों के मनमाफिक नहीं बरसा है। अगस्त माह में ही 12 घंटे हुई बारिश को छोड़ दिया जाए तो अब तक बारिश से शहरवासी अछूते ही रहे हैं। जिसके चलते चीलर बांध में भी केवल पीने लायक पानी की ही आपूर्ति हो पाई है। जबकि सावन माह भी बीत चुका है और अब तक केवल 26 इंच बारिश ही हो पाई है। यही वजह है कि नगरवासी अब तक बारिश की उम्मीद में आसमान ताक रहे हैं। अब नगरवासियों को भादौ माह से उम्मीद है कि इसमें अच्छी वर्षा हो और नदियों, नालों के साथ चीलर बांध में भी पर्याप्त जलभराव हो सके।

23 में से 9 फीट ही भर पाया नगर का एकमात्र जलस्त्रोत- नगर का एकमात्र चीलर बांध भी सावन माह बीतने के बाद भी अब तक खाली है, जिसमें 23 में से केवल 9 फीट ही जलभराव हो पाय है जो 14 फीट खाली है। चीलर बांध के पूरा भर जाने से किसानों को भी फसलों के लिए नहरों के माध्यम से पानी दिया जाता है। लेकिन अब तक हुई बारिश और बांध के जलस्तर को देखकर यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसानों को गत वर्ष की तरह इस बार भी खाली हाथ ही रहना पड़ेगा। वहीं यदि भादौ माह में जलापूर्ति हो जाती है तो नगरवासियों के साथ-साथ किसानों की चिंता भी दूर हो सकेगी।

कल से शुरू हो सकती है बारिश - मौसम विभाग की माने तो 3 सितंबर से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। जिसके चलते नगर में भी 3 से 6 सितंबर तक अच्छी वर्षा की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि 3 सितंबर बुधवार की रात से बारिश की शुरूआत हो सकती है जो 6 सितंबर तक जारी रहेगी। यदि इस दौरान अच्छी वर्षा हो जाती है तो नगरवासियों की पूरे साल की चिंता समाप्त हो जाएगी।

जागरूक रहें, लक्षणों को नजरंदाज न करें

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शासकीय पालीटेक्निक महाविद्यालय शाजापुर में छात्र- छात्राओं के लिए टीबी मुक्त भारत सेमिनार आयोजित किया गया। जहां विद्यार्थियों को बताया कि वे टीबी की बीमारी के प्रति जागरूक रहें ओर लक्षणों को नजरंदाज न करें।

सेमिनार में स्वास्थ्य विभाग के जिला कार्यक्रम समन्वयक तेहसीन कुरैशी, सीनियर ट्रीटमेंट लैब सुपरवाईजर दिलीप मालवीय द्वारा टीबी के लक्षण एवं उपचार की जानकारी दी गई। छात्र छात्राओं को निक्षय मित्र एवं वालंटियर बनने के लिए एवं टीबी मरीजों का सहयोग करने हेतु प्रेरित किया गया एवं टीबी मुक्त भारत ऐप डाउनलोड करवाई गई। सेमिनार में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विपुल परमार्थीने कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों से अपील की कि वे टीबी के प्रति जागरूक रहें, लक्षणों को नजरअंदाज न करें तथा शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क जांच एवं उपचार सुविधाओं का लाभ उठाकर टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने में सहयोग करें। इस अवसर पर एनएसएस, रेड रिबन प्रभारी सुरेश पगारिया सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और महाविद्यालय का स्टॉफ उपस्थित था। आभार मेकेनिकल विभागाध्यक्ष जोगेन्द्र भारती ने माना।

न्यायालय ने दिए 46 लाख क्षतिपूर्ति राशि देने के आदेश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंटर्नशिप के लिए रोज की तरह अपने घर से निकली युवती की स्कूटी को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी थी। जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस पर न्यायालय ने 46 लाख से अधिक की क्षतिपूर्ति राशि परिजनों को देने के आदेश दिए हैं। अभिभाषक कमल कुमार पाटीदार एवं अभिभाषक जावेद पठान बेरछा ने बताया कि रानू पिता पुरूषोत्तम पाटीदार रोज की तरह 05 जून 2025 को भी काशीपुरा सुखलिया इन्दौर सें स्कूटी से अरविन्दो अस्पताल इंटर्नशिप के लिए जा रही थी। सुबह करीब 9 बजे जब वह इंदौर के लवकुश चैराहा पहुंची तभी ट्रक को उसका चालक अत्यन्त तेजगति व लापरवाही से चलाता हुआ लाया और रानू की स्कूटी मे पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में रानु पाटीदार स्कुटी सहीत रोड पर गिर गई और उसके हाथ, पैर व सिर के साथ ही शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगी थी। इधर हादसे के बाद उक्त ट्रक घटना स्थल पर ही रोक दिया गया था। इसके बाद तुरंत रानू पाटीदार को ईलाज के लिए अरविन्दो हॉस्पीटल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने रानू को मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना की रिपोर्ट थाना बाणगंगा इन्दौर मे की गई। इसके बाद मृतिका के परिजनों ने न्यायालय मे दुर्घटना दावा प्रस्तुत किया गया, जहां सुनवाई के पश्चात एम.ए.सी.टी शाजापुर ने 24 अगस्त 2026 को रानू पाटीदार की मृत्यु पर क्षतिपूर्ति स्वरूप 46 लाख 68 हजार 800 रूपये क्षतिपूर्ति राशि दिए जाने के आदेश दिए हैं।

किसानों ने लगाया फसल बीमा न मिलने का आरोप, मुआवजे व सर्वे की मांग को लेकर पहुंचे कलेक्टर कार्यालय

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की शुजालपुर तहसील के ग्राम रिछोदा के 100 से अधिक किसानों ने मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपा। किसानों ने वर्ष 2024-25 की सोयाबीन फसल खराब होने और बीमा राशि न मिलने की शिकायत की। उन्होंने फसल का दोबारा सर्वे कराकर पात्र किसानों को बीमा राशि दिलाने की मांग की है।

किसानों ने बताया कि वर्तमान सीजन में सोयाबीन की फसल पीला मोजेक रोग से बुरी तरह प्रभावित हुई है। कई खेतों में सोयाबीन में एक भी फली नहीं लगी, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आवेदन में किसानों ने यह भी उल्लेख किया कि ग्राम रिछोदा सहित आसपास के कई गांवों में वर्ष 2024-25 का फसल बीमा किसानों को मिल चुका है, लेकिन रिछोदा के किसानों को अब तक यह राशि प्राप्त नहीं हुई है। किसानों ने बताया कि कहना है कि वे पूरी तरह कृषि कार्य पर निर्भर हैं और खेती से होने वाली आय से ही अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने महंगे खाद, बीज और दवाइयों का उपयोग कर फसल तैयार की थी, लेकिन रोग और बारिश के कारण पूरी फसल बर्बाद हो गई। लेकिन वर्तमान में पीला मोजेक रोग के कारण फसल पूरी तरह खराब हो गई है और फलियां न लगने से भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन से फसल का सही सर्वे कराकर उचित बीमा मुआवजा दिलाने की गुहार लगाई है।

दिल्लौद के किसानों ने भी की मुआवजे की मांग- ग्राम दिल्लोद में सोयाबीन की फसल पीला मोजेक और अफलन रोग से प्रभावित हुई है। इससे परेशान किसानों ने मंगलवार को जनसुनवाई में मुआवजे की मांग की। किसानों के अनुसार ग्राम दिल्लोद में भी सोयाबीन की फसल में अचानक पीला मोजेक रोग और अफलन (फली या फल न आने की समस्या) दिखाई देने लगी है। किसानों का दावा है कि इन समस्याओं के कारण उनकी सोयाबीन की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि राजस्व और कृषि विभाग की एक संयुक्त टीम मौके पर भेजकर तत्काल फसल का सर्वे कराया जाए।

दिव्यांग छात्र श्री भेरुलाल कुशवाह को मिला स्मार्टफोन एवं सुगम्य केन

राजगढ़/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा ग्राम संडावता निवासी दिव्यांग छात्र श्री भेरुलाल कुशवाहको सहायक उपकरण के रूप में स्मार्टफोन एवं सुगम्य केन प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि श्री कुशवाह का चयन 18 जून, 2026 को मंडी प्रांगण सारंगपुर में एलिम्को कंपनी द्वारा आयोजित दिव्यांग परीक्षण एवं चिन्हांकन शिविर के दौरान किया गया था। जनपद उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा उन्हें सहायक उपकरण प्रदान किए गए। श्री कुशवाह एक साधारण कृषक परिवार से हैं तथा वर्तमान में इंदौर में रहकर एम.ए. की उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उनके पिता किसान एवं माताजी गृहिणी हैं। इस अवसर पर श्री कुशवाह को पूरी लगन एवं मेहनत के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्हें आश्वस्त किया गया कि भविष्य में शिक्षा जारी रखने के लिए आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन द्वारा हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही श्री कुशवाह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य दिव्यांगजन को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है।

सड़क किनारे खड़े युवकों के लिए काल बनकर आई तेज रफ्तार बस

आंखों के सामने ही काल के गाल में समा गए दो दोस्त

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल हाईवे-52 पर सोमवार शाम को एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। उकावता चैकी क्षेत्र में गिरी पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े दो युवकों को एक तेज रफ्तार बस ने कुचल दिया, जिससे दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इनके साथ इनका तीसरा साथी भी था जो बाईक खड़ी कर किसी काम के लिए थोड़ा दूर चला गया जिसकी जान बच गई।

जानकारी के अनुसार उज्जैन जिले के ग्राम नवादा से तीन दोस्त एक ही बाइक पर सवार होकर निकले थे। वे अपने साथी अखिलेश को उसके गांव छोड़ने जा रहे थे। रास्ते में बाइक चला रहे जितेंद्र ने पेट्रोल पंप के पास गाड़ी रोकी और थोड़ा दूर चला गया। इसी दौरान बाइक पर पीछे बैठे अखिलेश और कैलाश सड़क किनारे खड़े होकर उसका इंतजार कर रहे थे। तभी कुछ देर बाद सामने से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े अखिलेश (28) और कैलाश (50) को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की मौके पर ही जान चली गई। वारदात के बाद बस चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया।

अस्पताल पहुंचाए शव, तलाश में जुटी पुलिस- घटना की खबर मिलते ही उकावता चैकी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को शाजापुर जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार अज्ञात बस व उसके चालक की तलाश की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने भी बताया कि बस काफी तेज गति से चल रही थी और दोनो दोस्त सड़क किनारे खड़े हुए थे और इनकी कोई गलती नहीं थी।

निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें, गुणवत्ता से समझौता न हो- कलेक्टर

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरु के. की अध्यक्षता में जिले में विभिन्न निर्माण विभागों द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने विभागवार स्वीकृत, प्रगतिरत एवं पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों की जानकारी लेते हुए कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण होने से नागरिकों को इनका लाभ जल्द मिल सकेगा। बैठक में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जिला पंचायत सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि अधिकारी मौके पर पहुंचकर कार्यों की वास्तविक स्थिति देखें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे हों, इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को अपने अधीनस्थ अधिकारियों की नियमित समीक्षा करने तथा निर्माण कार्यों में आने वाली बाधाओं का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जो निर्माण कार्य स्वीकृत हो चुके हैं, उन्हें प्रारंभ कराने की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। संबंधित अधिकारी आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर स्वीकृत कार्यों को समय पर प्रारंभ कराएं। उन्होंने प्रगतिरत निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार का व्यवधान या रुकावट उत्पन्न न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी रखने को कहा।

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित मापदंडों और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही निर्माण कार्य कराए जाएं। संबंधित अधिकारी समय-समय पर निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण करें और कार्य की गुणवत्ता, सामग्री तथा प्रगति की मौके पर जांच करें।

शासकीय रास्तों, जमीन एवं नालों पर अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

कलेक्टर राज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी बैठक आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति, अंतरविभागीय समन्वय तथा विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि शासकीय रास्तों, शासकीय भूमि एवं नालों पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने अतिक्रमण हटाने के साथ नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह ने जिले में प्रगतिरत नल-जल योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन नल-जल योजनाओं का कार्य पूर्ण हो चुका है, उन्हें शीघ्र हैंडओवर करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने ईई पीएचई को योजनावार प्रगति की जानकारी प्रस्तुत करने तथा पिछले एक माह में हुई प्रगति की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट किया कि योजनाओं की प्रगति में लापरवाही या धीमापन पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने जल निगम द्वारा जिले में किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्यों की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है। सभी कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा में पूर्णता सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

बैठक में नगर निगम एवं नगर परिषद क्षेत्रों में निर्माणाधीन जल संरचनाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान क्षिप्रा एवं राजानल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा रोड रेस्टोरेशन संबंधी कार्यों की जानकारी ली गई। कलेक्टर श्री सिंह ने बागली पेयजल योजना, कांटाफोड़ पेयजल योजना, नेमावर पेयजल योजना, खातेगांव पेयजल योजना सहित नगर परिषद क्षेत्रों में अमृत 2.0 जल प्रदाय योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी निर्माणाधीन जल संरचनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कन्नौद में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत निराकृत किए गए प्रकरणों की समीक्षा की।

जिले में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्रों का सीएमएचओ डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने किया औचक निरीक्षण

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया द्वारा मंगलवार को जिले में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं VHND सत्रों पर पहुंचकर ग्रामीण जनसमुदाय को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की जानकारी ली तथा स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, बच्चों के स्वास्थ्य एवं वजन परीक्षण, पोषण सेवाओं की उपलब्धता, आवश्यक दवाओं की स्थिति तथा उप स्वास्थ्य केंद्रों पर रिकॉर्ड संधारण की स्थिति का अवलोकन किया गया। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से VHND सत्रों के माध्यम से दी जा रही सेवाओं की जानकारी लेते हुए पात्र हितग्राहियों को निर्धारित स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

U-WIN पोर्टल पर टीकाकरण की शत-प्रतिशत ऑनलाइन एंट्री के निर्देश

सीएमएचओडॉ. डेहरिया ने टीकाकरण सत्र के दौरान संबंधित स्वास्थ्य अमले को U-WIN पोर्टल पर टीकाकरण की शत-प्रतिशत ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ANMOL ID के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों की डिजिटल ट्रैकिंग को प्रभावी बनाने तथा हितग्राहियों का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश

वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए सीएमएचओडॉ. डेहरिया ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को मौसमी एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

पगड़ी रस्म पर गौशाला को लोडर ट्रैक्टर भेंट

समाजजनों ने बताया अनुकरणीय कदम

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिवंगत परिजनों की स्मृति को अमर बनाने और समाज में सकारात्मक संदेश देने की दिशा में बोराली के जायसवाल परिवार ने एक प्रेरक पहल की है। स्वर्गीय मंजुबाला जायसवाल की पुण्यस्मृति में आयोजित पगड़ी रस्म के अवसर पर परिवार ने श्री कृष्णा कामधेनु गौशाला को एक लोडर ट्रैक्टर भेंट किया। परिवार की इस भावना ने पारंपरिक शोक सभा को गौसेवा और सामाजिक सरोकार के रूप में बदल दिया।

भेंट किए गए लोडर ट्रैक्टर का उपयोग गौशाला में गोबर उठाने, चारा लाने और अन्य भारी सामग्री के परिवहन में किया जाएगा। गौशाला समिति के अनुसार, इस आधुनिक साधन से प्रतिदिन के सेवा कार्यों को सुचारू और त्वरित रूप से संचालित करने में काफी मदद मिलेगी। दिवंगत मंजुबाला जायसवाल, श्री विष्णुलाल जायसवाल की धर्मपत्नी तथा पत्रकार अनूप जायसवाल, लाखन जायसवाल व रानी जायसवाल की पूज्य माताजी थीं। परिवार ने अपनी मातृछाया की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से गौमाता के प्रति यह श्रद्धा और समर्पण व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों और गौभक्तों ने स्वर्गीय मंजुबाला जायसवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के इस पुनीत कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। वक्ताओं ने इसे फिजूलखर्ची से दूर रहकर समाज के लिए प्रेरणादायी कदम बताया। इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष जसवंत सिंह पटेल, समाजसेवी मनोहरलाल जायसवाल, जायसवाल समाज अध्यक्ष ईश्वरलाल जायसवाल, धार जिलाध्यक्ष संतोष जायसवाल, रतलाम जनपद प्रतिनिधि बद्रीलाल जायसवाल (सिमलावदा), छगनलाल जायसवाल, गोवर्धन जायसवाल, राजेश जायसवाल, सुनील जायसवाल, करण चौधरी, वीरेंद्र जाट (रामु दा जाट), महेश भाटी, भूपेंद्र जाट सहित बड़ी संख्या में जायसवाल समाज के नागरिक और गौभक्त उपस्थित थे।

संभाग स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता खाचरोद में आयोजित

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 70 वी शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिताओ में संभाग स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता जो कि खाचरोद में आयोजित की गई जिसमें श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल आलोट के 8 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें से 3 विद्यार्थियों तनवीर शेख , छोटू रावत, भाविका जैन का चयन क्रीड़ा शिक्षक शिवरादित्य सिंह डोडिया के मार्गदर्शन में आगामी राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता जो 26 से 30 सितंबर को भोपाल में आयोजित की जाएगी के लिए हुआ है । अब यह तीनों विद्यार्थी आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल एवं उज्जैन संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे । विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने इनको आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की है। विद्यालय के प्राचार्य श्री भरत जी आंजना ने खिलाड़ियों चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी प्रतियोगिता में यह खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

डॉ. पुष्पा दिवाकर को प्राचार्य का प्रभार मिलने पर दी बधाई

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथजी सिलावट कॉलेज देपालपुर में डॉ. पुष्पा दिवाकर को प्राचार्य का प्रभार मिलने पर विकास जाधव ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विकास जाधव ने कहा कि डॉ. पुष्पा दिवाकर के अनुभव और कुशल नेतृत्व में महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उन्होंने उनके उज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए सफलतापूर्वक नई जिम्मेदारी निभाने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जनपद सदस्य रामकन्या चौहान ने उठाई क्षेत्र की समस्याएं

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद पंचायत बदनावर के वार्ड क्रमांक 8 की जनपद सदस्य श्रीमती रामकन्या निर्भयसिंह चौहान ने क्षेत्रीय ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं के समाधान हेतु जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को एक पत्र सौंपा है। इसमें ग्राम पंचायत पडुनिया और घटगारा की पेयजल समस्याओं सहित प्रधानमंत्री सड़क की बदहाली का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया है। पत्र के माध्यम से बताया गया कि ग्राम पंचायत पडुनिया में जल स्रोत के अभाव के कारण विगत समय से नल-जल योजना बंद पड़ी हुई है, जिससे ग्रामीणों को गंभीर पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। योजना को पुनः संचालित करने के लिए गांव की पानी की टंकी के पास नए कुएं के खनन कार्य की स्वीकृति देने का अनुरोध किया गया है। वही ग्राम पंचायत घटगारा के दुर्गाचौक मोहल्ले में मुक्तिधाम के समीप ट्यूबवेल वाले स्थान पर ग्रामीणों की सुविधा के लिए नया हैंडपंप लगवाने की बात कही गई है। जनपद सदस्य ने फोरलाइन बोरली से पडुनिया-खरेली तक निर्मित प्रधानमंत्री सड़क की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि कनवासा से पडुनिया के बीच पुलिया के ऊपर सड़क पर बड़ा गड्ढा हो गया है। इसके साथ ही सड़क पर जगह-जगह जलभराव होने से ग्रामीणों व वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित विभाग को अवगत कराकर सड़क का रिपेयरिंग कार्य शीघ्र कराने की मांग की है।

ब्यूटी एंड वेलनेस की छात्राओं ने किया आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण

पीएम श्री स्कूल संदला की छात्राओं ने सीखे पंचकर्म, हर्बल प्लांट और प्राकृतिक उबटन के वैज्ञानिक तरीके

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, संदला में व्यावसायिक शिक्षा के %सौंदर्य एवं देखभाल% ट्रेड की छात्राओं ने शासकीय आयुर्वेद औषधालय एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को प्राकृतिक सौंदर्य, त्वचा की देखभाल और समग्र स्वास्थ्य में आयुर्वेद के व्यावहारिक उपयोग से परिचित कराना था।

भ्रमण के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितेश रॉय एवं डॉ. श्रद्धा लछेटा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। चिकित्सकों ने परिसर स्थित हर्बल गार्डन में एलोवेरा, तुलसी, गिलोय, नीम और भृंगराज जैसे औषधीय पौधों की पहचान कराई और त्वचा व बालों की देखभाल में इनके उपयोग की जानकारी दी। छात्राओं को आयुर्वेद की प्रमुख पंचकर्म पद्धति (स्नेहन, स्वेदन, शिरोधारा) की कार्यप्रणाली समझाई गई। चिकित्सकों ने बताया कि शरीर का आंतरिक शुद्धिकरण ही बाह्य सौंदर्य का आधार है। इसके साथ ही आयुर्वेदिक काढ़े, तेल, चूर्ण और भस्म के भंडारण व निर्माण प्रक्रिया की जानकारी दी गई। डॉ. श्रद्धा लछेटा ने प्राकृतिक उबटन, स्वस्थ दिनचर्या और मौसमी खानपान के माध्यम से त्वचा की चमक बनाए रखने के नुस्खे साझा किए।

छात्राओं ने हर्बल कॉस्मेटिक्स से जुड़े प्रश्नों का चिकित्सकों से समाधान प्राप्त किया। विद्यालय के व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के व्यावहारिक ज्ञान से छात्राएं पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान को आधुनिक सौंदर्य तकनीकों के साथ जोड़कर इस क्षेत्र में बेहतर करियर बना सकती हैं। भ्रमण के दौरान विद्यालय के शिक्षक, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

चार भैंस चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना क्षेत्र के ग्राम गुर्जर बर्डिया में कुएं पर बनी टापरी में बंधी चार भैंस चोरी के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाबूलाल पिता रामलाल पाटीदार एवं कमलेश सूर्यवंशी, निवासी एथिक, थाना दलौदा, जिला मंदसौर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार ग्राम गुर्जर बर्डिया निवासी दिनेश पुत्र बयाराम पाटीदार ने कुएं पर बनी टापरी में अपने पशु बांध रखे थे। रात के समय अज्ञात बदमाश टापरी में बंधी चार भैंस चोरी कर ले गए थे। सुबह पशु मालिक के कुएं पर पहुंचने पर पशु गायब मिले थे। आसपास पूछताछ के दौरान रात में पिकअप वाहन आने-जाने की जानकारी भी सामने आई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों में से दो को हिरासत में लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां पुलिस ने पूछताछ एवं मामले की आगे की जांच के लिए पुलिस रिमांड की मांग की। पुलिस कार्रवाई में करीब 88 हजार रुपए की राशि बरामद किए जाने की जानकारी सामने आई है। वहीं मामले में शामिल बताए जा रहे दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर चोरी की वारदात और अन्य जुड़े पहलुओं की जांच में जुटी है।

गरिमामय पुनः आगमन पर हुआ आत्मीय एवं भव्य स्वागत

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री महावीर विद्यालय परिवार में लंबे अंतराल के पश्चात उपप्राचार्य श्री लखनलाल जी मालाकर सर, श्रीमती यशोदा मालाकर मैम एवं वरिष्ठ शिक्षिका सुश्री सुषमा तराणेकर मैम के पुनः आगमन पर विद्यालय परिसर में आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. शिखर जी जैन, वैभव जी जैन एवं त्रिशला जी जैन मैम ने शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। वहीं प्रबंधन समिति की ओर से उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण जी काकाणी, कोषाध्यक्ष श्री धर्मचंद जी जैन, सचिव श्री सिरेमल जी भंडारी, श्री मनीष जी सेठिया श्री संजय जी डुंगरवाल एवं श्री पवन जी कामरिया सर द्वारा भी हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं।

विद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज जी शर्मा सर सहित वीरेंद्र सिंह पंवार सर, नितेश पोरवाल सर, पुष्कर पाटीदार सर, शिखा शर्मा मैम, लता शर्मा मैम, डॉली कदम मैम, रिक्की कांत मेहतवासा सर,समीना हैदरी मैडम ईश्वर सोनी सर, हिमांशु मिश्रा सर एवं समस्त श्री महावीर विद्यालय परिवार ने पुष्पमालाओं से स्वागत कर हर्ष व्यक्त किया। महावीर स्कूल मै सभी बच्चों मै खुशी की लहर उमड़ पड़ी।

विद्यालय के बस स्टाफ की ओर से अशोक भैया, रमेश भैया एवं कमल भैया सहित समस्त बस स्टाफ ने भी आत्मीय स्वागत किया। साथ ही कर्मचारी वर्ग से रेखा भाभी, कमल बाई, लीला भाभी, बापू भैया एवं अन्य समस्त कर्मचारियों ने पुष्पमालाएँ पहनाकर स्वागत किया। पुनः आगमन के इस अवसर पर विद्यालय परिसर में खुशी, अपनत्व और उत्साह का सुंदर वातावरण देखने को मिला। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल कार्यकाल के लिए मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं।

नरेंद्र पौराणिक बने MLTWA मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेडिकल लैब टेक्नीशियन वेलफेयर एसोसिएशन मध्यप्रदेश के संगठन विस्तार के तहत नरेंद्र पौराणिक (राहुल) को उज्जैन, देवास एवं आगर-मालवा क्षेत्र से प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय महासचिव संतोष यादव, प्रदेश अध्यक्ष कमलेश राठौर एवं कोर कमेटी द्वारा की गई। नरेंद्र पौराणिक वर्तमान में [illegible] उज्जैन के जिला अध्यक्ष के रूप में संगठन के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

उनकी कार्यक्षमता, सक्रियता एवं संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें प्रदेश स्तर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति से उज्जैन संभाग सहित आसपास के क्षेत्रों में मेडिकल लैब टेक्नीशियन एवं लैब प्रोफेशनल्स के हितों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र पौराणिक (राहुल) ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं कोर कमेटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करेंगे और लैब टेक्नीशियन साथियों के हितों के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने हाल ही में रवि सीड्स R&D फार्म का शैक्षणिक दौरा किया

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल के 11वीं एवं 12वीं जीव विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं ने हाल ही में रवि सीड्स ऋ्ष्ठ फार्म का शैक्षणिक दौरा किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने मक्का ब्रीडिंग एवं इमैस्कुलेशन की व्यावहारिक प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा, जहाँ रवि सीड्स के ब्रीडर्स ने उन्हें फसलों के आनुवंशिक सुधार के महत्व से अवगत कराया। इस महत्वपूर्ण यात्रा में विद्यालय के डायरेक्टर इंदर सिंह जी आजना, रवि सीड्स के संस्थापक सत्यनारायण जी काकाणी, नागेश जी खारोल तथा जीव विज्ञान शिक्षक शेखर खेतरा उपस्थित रहे।

विज्ञान की दुनिया से रूबरू! श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल के बायोलॉजी स्टूडेंट्स ने रवि सीड्स प्लांट पर मक्का ब्रीडिंग के रहस्यों को करीब से जाना। इमैस्कुलेशन के इन प्रैक्टिकल लेसंस ने क्लासरूम की सीख को दिया प्रैक्टिकल टच।

दूध के भाव को लेकर किसानों का कलेक्टर कार्यालय पर दो घंटे प्रदर्शन, अपर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दूध के उचित एवं लागत आधारित मूल्य की मांग को लेकर किसानों का आक्रोश अब सड़क पर दिखाई देने लगा है। किसानों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पर करीब दो घंटे तक जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद किसान प्रतिनिधिमंडल ने अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर दूध का भाव लागत के आधार पर तय करने तथा किसानों को उचित मूल्य दिलाने की मांग की।

किसान नेताओं ने कहा कि पिछले लंबे समय से पशु आहार, चारा, दाना, पशु चिकित्सा, बिजली, मजदूरी एवं अन्य कृषि-पशुपालन लागत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन दूध के भाव में लागत के अनुरूप वृद्धि नहीं की जा रही है। इसके चलते दूध उत्पादक किसान लगातार आर्थिक नुकसान और घाटे का सामना कर रहे हैं।

किसान नेता चंदनसिंह बड़वाया बबलू जाधव हंसराज मंडलोई एवं शैलेंद्र पटेल ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने की बात करती है, लेकिन दूध उत्पादन करने वाले किसानों की वास्तविक लागत और उनकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि दूध कोई मुफ्त में पैदा होने वाली वस्तु नहीं है, इसके पीछे किसान की दिन-रात की मेहनत, पशुओं का पालन-पोषण और भारी खर्च जुड़ा हुआ है। इसलिए दूध का भाव लागत आधारित और किसानों के हित में तय किया जाना आवश्यक है।

प्रदर्शन में चंदन सिंह बड़वाया, अरविंद राठौड़, हंसराज मंडलोई, कमल जाधव, कैलाश सोनगरा संजय मोरी सहित बड़ी संख्या में किसान शामिल रहे।

किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी एक किसान की नहीं, बल्कि पूरे दूध उत्पादक किसान वर्ग के सम्मान, मेहनत और उचित मूल्य के अधिकार की लड़ाई है।

किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि दूध के भाव को गंभीरता से लेते हुए तत्काल किसानों, दुग्ध संघ एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर ठोस एवं न्यायसंगत निर्णय लिया जाए।

मालवीय के आक्रोश के आगे झुका प्रशासन और फैक्ट्री प्रबंधन

सोया प्लांट और वंडर सीमेंट की संपत्तियों का सर्वे कर बकाया कर राशि पंचायत के खाते में जमा कराई जाएगी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय ग्रामीणों के हक की अनदेखी और कारखानों की मनमानी के खिलाफ ग्राम पंचायत खेरवास के कड़े तेवरों के आगे आखिरकार प्रशासन और औद्योगिक घरानों को घुटने टेकने पड़े। एसडीएम कार्यालय के समक्ष सरपंच श्रीमती रेखा मालवीय और सरपंच प्रतिनिधि रजनीश मालवीय के नेतृत्व में हुए आक्रामक धरना-अनशन ने प्रशासनिक अमले में हड़कंप मचा दिया।

एसडीएम और तहसीलदार की मौजूदगी में फैक्ट्री अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों के बीच तीखी और मैराथन चर्चा हुई। चौतरफा दबाव के बीच प्रशासन ने ग्रामीणों की सभी मांगों पर सहमति जताते हुए 7 दिवस के भीतर कार्रवाई की लिखित जिम्मेदारी ली है। 7 दिनों के भीतर सोया प्लांट और वंडर सीमेंट की संपत्तियों का सर्वे कर नियमानुसार बकाया कर राशि ग्राम पंचायत के खाते में जमा कराई जाएगी। वही प्रभावित परिवारों के लिए सीसी रोड और नाली निर्माण की स्वीकृति 7 दिन में मिलेगी। स्थिति का जायजा लेने एसडीएम और तहसीलदार खुद 2 सितंबर को धरातल पर निरीक्षण करेंगे। पंचायत की क्षतिग्रस्त संपत्तियों की मरम्मत और बकाया किराए का भुगतान एक सप्ताह में किया जाएगा। साथ ही फैक्ट्रियों में बाहरी लोगों के बजाय स्थानीय ग्रामीण युवाओं को प्राथमिकता से रोजगार देना अनिवार्य होगा।

इस आंदोलन को दबाना प्रशासन के बस में नहीं रहा। जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि व भाजपा नेता प्रहलादसिंह सोलंकी, करणी सेना जिलाध्यक्ष लोकेंद्रसिंह, मुलथान सरपंच देवेंद्र मोदी, घटगारा सरपंच जितेंद्र खेनवार, ढोलाना व जवासिया के सरपंचों सहित भाजपा नेताओं और ग्रामीणों ने मौके पर डटकर हुंकार भरी।

ठोस लिखित आश्वासन और जिम्मेदारी तय होने के बाद तहसीलदार ने अनशनकारियों को जूस पिलाकर धरना समाप्त कराया। हालांकि रजनीश एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 7 दिनों में वादे पूरे नहीं हुए, तो यह आंदोलन और अधिक उग्र रूप धारण करेगा।

झाबुआ में पंच के 3, सरपंच के 01 एवं जिला पंचायत सदस्य के 1 पद के उप निर्वाचन का कार्यक्रम जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष-2026 (पूर्वार्द्ध) के लिए निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित ग्राम पंचायत एवं निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है, जो निर्वाचन परिणाम की घोषणा होने तक प्रभावशील रहेगी। झाबुआ जिले में पंच के 03, सरपंच के 01 एवं जिला पंचायत सदस्य के 01 रिक्त पद के लिए उप निर्वाचन की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होगी। जारी निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन की अधिसूचना 08 सितम्बर 2026 को जारी की जाएगी तथा इसी दिन से नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर 2026 निर्धारित की गई है। प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 16 सितम्बर को की जाएगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 18 सितम्बर 2026 रहेगी। मतदान 29 सितम्बर 2026 को कराया जाएगा।

पीएम मित्रा पार्क और फोरलेन के लिए अधिग्रहित भूमि को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल के साथ कलेक्टर को सौंपे आवेदन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत भैंसोला में निर्माणाधीन पीएम मित्रा पार्क से जुड़ी समस्याओं तथा बदनावर से टीमरवानी तक स्वीकृत फोरलेन मार्ग में अधिग्रहित होने वाली भूमि के मुआवजे को लेकर भाजपा बखतगढ़ मंडल अध्यक्ष संजयसिंह राठौड़ (संजू बन्ना) ने प्रतिनिधि मंडल के साथ मंगलवार को कलेक्टर राजीव रंजन मीणा से मुलाकात कर आवेदन सौंपा। आवेदन में किसानों और ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने की मांग की गई है।

पीएम मित्रा पार्क को लेकर दिए आवेदन में बताया गया कि कार्य के दौरान किसानों के तालाब से सिंचाई के लिए बिछी पाइपलाइन टूट गई है। जब तक वैकल्पिक पानी की व्यवस्था नहीं होती, तब तक पाइपलाइन को यथास्थिति चलने देने तथा क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को तत्काल सुधारकर किसानों को हुए नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग की गई है।

आवेदन में पार्क निर्माण के लिए तेज गति से की जा रही ब्लास्टिंग से आसपास के मकानों में दरारें आने की बात भी कही गई है। ब्लास्टिंग का समय निर्धारित करने और सुरक्षा मानकों का पालन कराने की मांग की। साथ ही परियोजना क्षेत्र से लगे मजरा घनेरा के ग्रामीणों में विस्थापन को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन द्वारा पूर्व में दिए गए आश्वासन के अनुसार गांव को विस्थापित नहीं करने की मांग की गई है। भारी वाहनों के आवागमन से गांव की सीसी रोड एवं पक्की सड़क खराब होने और दुर्घटना का खतरा बढ़ने का मुद्दा भी उठाया गया। इसके अलावा अधिग्रहित भूमि का किसानों को 4 गुना मुआवजा देने की मांग की गई है।

फोरलेन में जमीन के साथ पेड़-पाइपलाइन का भी मुआवजा मांगा- दूसरे आवेदन में बदनावर से टीमरवानी तक स्वीकृत फोरलेन मार्ग के लिए अधिग्रहित होने वाली भूमि का वर्तमान गाइडलाइन के अनुसार 4 गुना मुआवजा देने की मांग की गई है। आवेदन के अनुसार परियोजना के तहत बदनावर तहसील की करीब 110.58 हेक्टेयर निजी भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में है।

राठौर ने मांग की कि अधिग्रहित भूमि पर किसानों द्वारा लगाए गए आम, अमरूद सहित अन्य पेड़-पौधों, खेत में बिछी पाइपलाइन तथा बोरेवेल, मोटर आदि परिसंपत्तियों का मौके पर सर्वे कर उचित बाजार मूल्य के अनुसार मूल्यांकन किया जाए और मुआवजा राशि में शामिल किया जाए। उन्होंने किसानों के हित में शीघ्र कार्रवाई कर उचित मुआवजा दिलाने का अनुरोध किया है। इस मौके पर ग्राम पंचायत भैंसोला सरपंच प्रतिनिधि पुरुषोत्तम धाकड़ समेत अन्य किसान मौजूद थे।

सड़क हादसे की आड़ में हत्या की सुनियोजित साजिश का खुलासा

पुरानी रंजिश के चलते 5 लाख में एक्सीडेंट कराने का सौदा, 05 आरोपी गिरफ्तार

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन में जिले में गंभीर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के क्रम में थाना सुसनेर पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटना के रूप में सामने आई घटना की गहन जांच कर सुनियोजित साजिश का खुलासा किया गया है। मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से सभी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 23.08.2026 को थाना सुसनेर पर सूचना प्राप्त हुई कि बड़िया जोड़ पेट्रोल पंप के सामने मोटरसाइकिल सवार विक्रम सिंह पिता नारायण सिंह सौंधिया, निवासी ग्राम खजुरी को अज्ञात ट्रक द्वारा टक्कर मार दी गई है। घायल विक्रम सिंह द्वारा टक्कर को जान से मारने की नीयत से कराया जाना संबंधी शंका व्यक्त की गई थी।

फरियादी की रिपोर्ट एवं व्यक्त शंका को गंभीरता से लेते हुए थाना सुसनेर पुलिस द्वारा तत्काल जांच प्रारंभ की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में शुरू हुई जांच- प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र बोयट के मार्गदर्शन में एसडीओपी सुसनेर देवनारायण यादव के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी सुसनेर निरीक्षक अनिल मालवीय के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम को घटना की वास्तविकता का पता लगाने, तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करने एवं आरोपियों की पतारसी कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

सीसीटीवी एवं तकनीकी साक्ष्यों से खुली साजिश की कड़ी- पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज तथा तकनीकी साक्ष्यों का बारीकी से विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान घटना में प्रयुक्त ट्रक क्रमांक RJ-17-GB-3330 के चालक शंकर पिता मांगीलाल यादव, उम्र 25 वर्ष, निवासी अहिरबर्डिया, थाना कोतवाली आगर की भूमिका सामने आई।

शंकर से पूछताछ में उसके द्वारा घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। उसने बताया कि उक्त घटना कारित करने के लिए उसे पैसों का प्रलोभन दिया गया था।

तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम द्वारा शंकर एवं ट्रक स्वामी विजय पिता गोकुल सिंह यादव, उम्र 22 वर्ष, निवासी रतनखेड़ी, थाना कोतवाली आगर को दिनांक 31.08.2026 की देर रात्रि गिरफ्तार किया गया।

पुरानी रंजिश के चलते 5 लाख में एक्सीडेंट कराने का सौदा- शंकर एवं विजय से पूछताछ तथा विवेचना के दौरान घटना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। अनुसंधान में पता चला कि अर्जुन पिता रोडसिंह, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम खजुरी द्वारा विक्रम सिंह के साथ पुरानी रंजिश के चलते उसे जान से मारने के उद्देश्य से तुलसीराम पिता मोहनलाल यादव, उम्र 29 वर्ष, निवासी बापचा, थाना आगर से ?5 लाख में एक्सीडेंट कराने का सौदा तय किया गया था। इसके बाद तुलसीराम द्वारा साजिश में अन्य व्यक्तियों को शामिल किया गया तथा योजना के अनुसार विक्रम सिंह को ट्रक से टक्कर मारकर घटना को अंजाम देने का प्रयास किया गया।

पूछताछ में तीन अन्य आरोपियों का खुलासा, तत्काल गिरफ्तारी - शंकर एवं विजय से पूछताछ में तुलसीराम, राहुल एवं अर्जुन की भूमिका सामने आने पर पुलिस टीम द्वारा उनकी पतारसी की गई तथा तीनों को दिनांक 01.09.2026 को गिरफ्तार किया गया।

इस प्रकार प्रकरण में कुल 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारशुदा आरोपी-

1. शंकर पिता मांगीलाल यादव, उम्र 25 वर्ष, निवासी अहिरबर्डिया, थाना कोतवाली आगर।
2. विजय पिता गोकुल सिंह यादव, उम्र 22 वर्ष, निवासी रतनखेड़ी, थाना कोतवाली आगर।
3. तुलसीराम पिता मोहनलाल यादव, उम्र 29 वर्ष, निवासी बापचा, थाना आगर।
4. राहुल पिता अंबाराम यादव, उम्र 22 वर्ष, निवासी अहिरबर्डिया, थाना आगर।
5. अर्जुन पिता रोडसिंह, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम खजुरी।

घटना के संबंध में थाना सुसनेर पर प्रारंभिक रूप से अपराध क्रमांक 275/2026, धारा 281 एवं 125(ए) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

विवेचना के दौरान प्राप्त छ्ष्टञ्जङ्क फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों एवं आरोपियों से पूछताछ के आधार पर घटना सुनियोजित साजिश के तहत कराया जाना सामने आने पर प्रकरण में धारा 109(1), 62(1) एवं 238 बीएनएस का इजाफा किया गया।

गिरफ्तार सभी पांचों आरोपियों को विधिसम्मत कार्रवाई उपरांत दिनांक 01.09.2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से माननीय न्यायालय द्वारा सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

सराहनीय भूमिका- उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी सुसनेर निरीक्षक अनिल मालवीय, उनि. सचिन धाकड़, सउनि. जितेन्द्र झा, सउनि. धर्मेन्द्र पाटीदार, प्रआर वीरेन्द्र राठौर, आरक्षक सौरभ वर्मा, आरक्षक होकम दांगी, आरक्षक गिरीराज जामलिया एवं आरक्षक रवि दोहरे की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

जन्माष्टमी पर बदनावर में निकलेगी 7 किमी पदयात्रा, सांवरिया सेठ के दरबार पहुंचेंगे श्रद्धालु

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नगर में धार्मिक उल्लास के साथ सांवरिया सेठ की भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिलेगा। इस पावन पर्व पर सेठों के सेठ भगवान सांवरिया सेठ के नाम 7 किलोमीटर की विशाल पैदल पदयात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। गौरव जैन एवं मित्र मंडली, बदनावर के तत्वावधान में आयोजित यह पदयात्रा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगी। पदयात्रा राधा कृष्ण मंदिर (पिपलेश्वर मंदिर) से प्रातः 8 बजे प्रारम्भ होगी जो पश्चिम में 7 किलोमीटर दुरी पर स्थित छोटा सांवरिया सेठ जी मंदिरपर पहुंचेगी।

पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का जगह-जगह भव्य स्वागत किया जाएगा। आयोजक समिति ने जानकारी दी कि यात्रा में सम्मिलित होने वाले सभी भक्तों का विशेष बहुमान किया जाएगा। पूरी यात्रा के दौरान भजनों की धुन पर श्रद्धालु नृत्य करते हुए सांवरिया सेठ के जयकारों के साथ आगे बढ़ेंगे। मार्ग में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल और अल्पाहार की व्यवस्था भी रखी गई है। आयोजककर्ता गौरव जैन एवं मित्र मंडली ने बदनावर नगर व आसपास के ग्रामीण अंचलों के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं, मातृशक्ति और युवाओं से इस पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ लेने और यात्रा को सफल बनाने का विनम्र आग्रह किया है।

लैपटॉप योजना से सांदीपनि स्कूल बड़ावदा के 12 विद्यार्थी लाभान्वित

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना (लैपटॉप योजना) के तहत माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की वर्ष 2026 की हायर सेकेंडरी परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को योजना का लाभ दिया गया। मंगलवार, 1 सितंबर को आयोजित मुख्य समारोह में विद्यार्थियों के बैंक खातों में वन क्लिक के माध्यम से 25-25 हजार रुपए की राशि अंतरित की गई। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विद्यालय में दूरदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को दिखाया गया। इस वर्ष शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ावदा के 12 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को योजना का लाभ मिला। इनमें समृद्धि मुकेश बैरागी, उर्मिला कैलाश, पायल अशोक पाटीदार, निशा बाबूलाल मालवीय, हर्षिता कुंवर सुरेंद्रसिंह, पायल संतोष सोलंकी, भावना गोपाल परिहार, अवनी दिलीप पाटीदार, रानू समरथ पांचाल, अंजू ईश्वर चौधरी, हरिओम राजाराम राठौड़ और कुमकुम कुंवर राजेंद्रसिंह शामिल हैं। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर संस्था के प्राचार्य गोविंदसिंह मालीवाड़ एवं समस्त विद्यालय परिवार ने सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अमझेरा में दो दिवसीय श्रीकृष्ण पर्व का भव्य आयोजन, कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने किया स्थल निरीक्षण

अमझेरा/ आशीष-पंचोली/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से अमझेरा में 3 एवं 4 सितंबर 2026 को सायं 7 बजे से थाना परिसर के पीछे भव्य 'श्रीकृष्ण पर्व' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के सफल संचालन और तैयारियों का जायजा लेने के लिए कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने मंगलवार को आयोजन स्थल का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, एडीएम संजीव केशव पांडे, ऐसपी पारुल बेलपुरकर, सरदारपुर एसडीएम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। ऐतिहासिक एवं पौराणिक नगरी अमझेरा को भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी हरण से जुड़े प्रसंगों की साक्षी माना जाता है। संस्कृति संचालनालय के अनुसार, इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाना है। दो दिवसीय इस आयोजन में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

पालिटेक्निक कालेज सेंधवा में युवा संगम रोजगार मेला आयोजित

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की रोजगारोन्मुखी योजना के अंतर्गत, युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन में आज मंगलवार को शासकीय पालिटेक्निक महाविद्यालय सेधंवा में युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिला रोजगार अधिकारी श्री टीएस डुडवे से प्राप्त जानकारी अनुसार इस रोजगार मेले में कुल 125 युवाओं ने अपना पंजीयन कराया।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत द्वारका-सोमनाथ यात्रा के लिए आवेदन आमंत्रित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत जिले के पात्र वरिष्ठ नागरिकों के लिए द्वारका-सोमनाथ तीर्थ यात्रा प्रस्तावित है। यात्रा के लिए आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 14 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है, जबकि यात्रा प्रारंभ होने की संभावित तिथि 21 सितंबर 2026 है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना नियम-2012 एवं समय-समय पर संशोधित नियमों के अनुसार मध्यप्रदेश के ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है तथा जो आयकरदाता नहीं हैं, योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। महिला आवेदकों को आयु सीमा में 2 वर्ष की छूट का प्रावधान है। योजना के अंतर्गत पात्र वरिष्ठ नागरिकों को प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर स्थित निर्धारित तीर्थ स्थलों में से एक अथवा युग्म तीर्थ की यात्रा कराई जाती है।

आवेदक एक या एक से अधिक तीर्थ स्थानों की यात्रा के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं, लेकिन उन्हें केवल एक ही स्थान की यात्रा का अवसर मिलेगा। यदि कम्प्यूटरीकृत लॉटरी में एक से अधिक स्थानों के लिए आवेदक का चयन होता है, तो जिस यात्रा की चयन सूची में उसका नाम ऊपर होगा, उसी यात्रा के लिए उसे चयनित माना जाएगा। किसी यात्रा के लिए चयन होने के बाद आगामी यात्रा की चयन सूची में भी नाम आने पर बाद वाली सूची से उसका नाम हटा दिया जाएगा।

योजना के तहत आवेदन निकटतम तहसील कार्यालय, स्थानीय निकाय, जनपद पंचायत कार्यालय अथवा कलेक्टर द्वारा निर्धारित अन्य स्थानों पर जमा किए जा सकेंगे। जिले के सभी विकासखंडों एवं नगरीय निकायों से पात्र हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त किए जाएंगे तथा पात्रता का परीक्षण कर चयन प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। यदि जिले के लिए निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो तीर्थ यात्रियों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। निर्धारित कोटे के अतिरिक्त 10 प्रतिशत यात्रियों की पृथक प्रतीक्षा सूची तैयार की जाएगी। चयनित यात्री के किसी कारणवश यात्रा पर नहीं जा पाने की स्थिति में प्रतीक्षा सूची के क्रम के अनुसार अन्य पात्र यात्री को अवसर दिया जा सकेगा। किसी जिले का निर्धारित कोटा पूरा नहीं होने पर अन्य जिले की प्रतीक्षा सूची अथवा प्राप्त आवेदनों से उसकी पूर्ति की जा सकेगी।

यात्रा के दौरान तीर्थ यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। ट्रेन प्रारंभ होने वाले जिले से तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए एक शासकीय चिकित्सक की ड्यूटी लगाई जाएगी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की ट्रेन में किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। जांच के दौरान अनधिकृत व्यक्ति पाए जाने पर उसे संबंधित स्टेशन पर उतारा जा सकेगा तथा नियमानुसार यात्रा व्यय की वसूली की जाएगी।

आईआरसीटीसी द्वारा ट्रेन को निर्धारित तिथि एवं समय पर संबंधित जिले में पहुंचाने के साथ यात्रा के दौरान तीर्थ यात्रियों को उत्तम गुणवत्ता का भोजन, नाश्ता एवं शुद्ध पेयजल तथा प्रतिदिन कम से कम दो मिनरल वाटर की बोतलें उपलब्ध कराई जाएंगी। यात्रा में नियुक्त अनुरक्षक ट्रेन के प्रस्थान के बाद प्रत्येक चार घंटे में यात्रियों की कुशलता एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित कलेक्टर, जिला नोडल अधिकारी तथा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना कार्यालय को अवगत कराएंगे।

जिले से एक पर्यवेक्षक, जो तहसीलदार अथवा उसके समकक्ष पद का अधिकारी होगा, तीर्थ यात्रियों के साथ यात्रा करेगा। पर्यवेक्षक द्वारा आईआरसीटीसी की ओर से उपलब्ध कराई गई भोजन, नाश्ता, पेयजल, शौचालय एवं तीर्थ स्थल पर ठहरने सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन कर प्रतिवेदन कलेक्टर के माध्यम से राज्य शासन को भेजा जाएगा।

द्वारका-सोमनाथ तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 14 सितंबर 2026 है। चयनित यात्रियों की सूची संचालक, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना एवं आईआरसीटीसी को 16 सितंबर 2026 तक उपलब्ध कराई जाएगी तथा यात्रा प्रारंभ होने की संभावित तिथि 21 सितंबर 2026 निर्धारित है।

राष्ट्रभक्ति के स्वरों से गूंजा कलेक्टर कार्यालय परिसर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय परिसर मंगलवार को राष्ट्रभक्ति और प्रदेश गौरव के स्वरों से गूंज उठा। मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार माह के प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाबुआ की छात्राओं ने वाद्य यंत्रों की मधुर संगत के साथ राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। छात्राओं की अनुशासित एवं सुमधुर प्रस्तुति ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता तथा प्रदेश के प्रति गौरव की भावना का संचार किया। इस दौरान कलेक्टर कार्यालय परिसर में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सामूहिक गायन में सहभागिता करते हुए राष्ट्र एवं प्रदेश के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के पश्चात कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से परिचय प्राप्त कर उनकी प्रस्तुति की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

स्वरोजगार दिवस पर हितग्राहियों को मिली आर्थिक संबल की सौगात

कलेक्टर ने स्वीकृति पत्र एवं डेमो चेक वितरित कर हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिए किया प्रोत्साहित, विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के तहत समूहों, युवाओं एवं हितग्राहियों को मिला ऋण लाभ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में स्वरोजगार को बढ़ावा देने और युवाओं, महिलाओं एवं जरूरतमंद नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को साप्ताहिक जनसुनवाई के साथ स्वरोजगार दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने विभिन्न विभागों की स्वरोजगारमूलक योजनाओं के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र एवं डेमो चेक प्रदान किए तथा उन्हें स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वरोजगार दिवस के दौरान हितग्राहियों को शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं, ऋण सुविधाओं एवं उपलब्ध सहायता के संबंध में जानकारी दी गई। विभागों एवं बैंकों के समन्वय से पात्र आवेदकों के प्रकरणों का परीक्षण कर ऋण स्वीकृति की कार्रवाई की गई और स्वीकृत प्रकरणों में हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की समूह बैंक ऋण वितरण योजना के अंतर्गत हेमा महिला बचत समूह, विकास महिला बचत समूह एवं प्रभु ईशु महिला बचत समूह को बैंक ऑफ बड़ौदा के माध्यम से 10-10 लाख रुपये के डेमो चेक प्रदान किए गए। इस प्रकार तीनों महिला स्व-सहायता समूहों को कुल 30 लाख रुपये का ऋण लाभ प्रदान किया गया।

उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के अंतर्गत श्री धरम राज पाटीदार एवं श्री मुकेश खड़िया को बैंक ऑफ बड़ौदा के माध्यम से 2-2 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत श्री संस्कार बड़दवाल को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से 8 लाख रुपये का ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

नगर पालिका परिषद झाबुआ द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत श्री हेमेन्द्र भानपूरिया को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से 15 हजार रुपये तथा अनीता चावड़ा एवं प्रियंका बामनिया को बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से 15-15 हजार रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।

इसी प्रकार मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा संचालित भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत श्री दिनेश बिलवाल को केनरा बैंक के माध्यम से 6.50 लाख रुपये का ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने हितग्राहियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासन की स्वरोजगारमूलक योजनाओं का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि युवाओं, महिलाओं एवं जरूरतमंद नागरिकों को स्वयं का रोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। हितग्राही प्राप्त ऋण एवं सहायता का बेहतर उपयोग करते हुए अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाएं और अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा बनें।

कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि स्वरोजगार योजनाओं के पात्र हितग्राहियों के प्रकरणों में अनावश्यक विलंब न हो तथा विभाग और बैंक आपसी समन्वय से ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूर्ण करें। इस अवसर पर महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सुश्री पिंकी डिंडोर, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से श्रीमती कृष्णा रावत, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं, प्राप्त हुए 44 आवेदन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन की वास्तविक स्थिति का परीक्षण कर पात्रतानुसार गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान प्राथमिक शिक्षक श्री अरुण कुमार बर्वे, प्राथमिक विद्यालय सेमलखेड़ी एवं श्री विजेन्द्र मावी, प्राथमिक विद्यालय नरवाली-2, संकुल केंद्र रजला, विकासखंड रामा द्वारा 24 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के उपरांत द्वितीय क्रमोन्नति वेतनमान का संशोधित आदेश जारी नहीं होने तथा 28 सितम्बर 2022 से एरियर राशि का भुगतान लंबित होने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। शिक्षकों के विद्यालयीन समय में जनसुनवाई में उपस्थित होने पर कलेक्टर डॉ. भरसट ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित संकुल प्राचार्य को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की सेवा संबंधी समस्याओं का समाधान विभागीय स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि उन्हें अपने प्रकरणों के निराकरण के लिए जनसुनवाई में आने की आवश्यकता न पड़े।

कलेक्टर ने सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग के कार्यालय में शिक्षकों के लिए विशेष हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए। हेल्प डेस्क पर दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी, जो शिक्षकों के जीपीएफ कटौती, समयमान-वेतनमान, क्रमोन्नति, अनुकंपा नियुक्ति सहित अन्य सेवा संबंधी प्रकरणों एवं समस्याओं का परीक्षण कर उनके निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शिक्षकों के लंबित प्रकरणों का समय पर समाधान हो और उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

ग्राम बावड़ी माफी, तहसील झाबुआ निवासी श्री भूरिया पिता छगन डामोर ने शासन की फसल योजना की राशि प्राप्त नहीं होने तथा खाते में राशि जमा होने के बाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा राशि निकाल लिए जाने की शिकायत प्रस्तुत की। कलेक्टर ने लीड बैंक मैनेजर को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

श्रीमती रेखा पति स्व. शंकरसिंह कटारा ने बताया कि उनके पति की चार दिन पूर्व मृत्यु हो गई है। उनके पति को पिछले 14 माह से वेतन प्राप्त नहीं हुआ था, जिसमें से केवल तीन माह का वेतन जमा किया गया है तथा शेष अवधि का वेतन लंबित है। कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत झाबुआ को लंबित वेतन भुगतान की आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ग्राम समोई, तहसील राणापुर निवासी श्रीमती दीपा पति नगरिया वाखला ने बताया कि उनके पुत्र की दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। पुत्रवधू द्वारा अन्यत्र विवाह करने के बाद से उनके दोनों बच्चों का पालन-पोषण उनके द्वारा किया जा रहा है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बच्चों के पालन-पोषण में आ रही कठिनाई को देखते हुए उन्होंने शासकीय योजना का लाभ दिलाने का अनुरोध किया।

ग्राम पलासडोर, तहसील थांदला निवासी श्री हूरा पिता गवजी डामोर ने पारिवारिक आवश्यकता एवं माता की बीमारी के कारण करीब 18 वर्ष पूर्व छोटे भाई के पास 5 हजार रुपये में गिरवी रखी जमीन वापस दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिए।

ग्राम मादलदा, तहसील थांदला निवासी श्रीमती दूदा पति स्व. मलसिंह भूरिया ने मुख्यमंत्री संबल योजना के अंतर्गत पति की मृत्यु के उपरांत मिलने वाली आर्थिक सहायता राशि एक वर्ष बीतने के बाद भी प्राप्त नहीं होने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत कर सहायता राशि दिलाने का अनुरोध किया। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को प्रकरण का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

देवझीरी पंडा, तहसील झाबुआ निवासी श्री राकेश पिता धन्नु डामोर ने देवझीरी मंदिर में प्राप्त दान राशि के हिसाब, कथित अनियमितताओं एवं मंदिर से संबंधित कार्यों की जांच कराने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने एसडीएम झाबुआ को प्रकरण में आवश्यक जांच एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नैशनल मिशन ऑन नैचुरल फार्मिंग अंतर्गत कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक संपन्न

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागार में नैशनल मिशन ऑन नैचुरल फार्मिंग के अंतर्गत जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी (डीएलएमसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री रवि वर्मा सहित कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता, पशुपालन एवं अन्य संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिले में प्राकृतिक खेती के रकबे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने पूर्व निर्धारित 5,000 हेक्टेयर के लक्ष्य को विस्तारित कर 20,000 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती कराने के निर्देश दिए। साथ ही, किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक और प्रोत्साहित करने के लिए जिले में हर सप्ताह प्रति सोमवार और मंगलवार को कृषि संगोष्ठी आयोजित करने के निर्देश दिए।

कृषि सखियों का चयन पूर्ण, हैंड-होल्डिंग सपोर्ट के साथ मिलेगा मानदेय उप संचालक कृषि द्वारा बैठक में अवगत कराया गया कि प्राकृतिक खेती को जमीनी स्तर पर गति देने के लिए स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों की अनुभवी सदस्यों में से कृषि सखियों की चयन प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। ये कृषि सखियां किसानों को खेत पर जाकर व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं हैंड-होल्डिंग सहायता प्रदान करेंगी।प्रति माह 16 दिवस के कार्य के आधार पर कृषि सखियों को ?5,000/- का मानदेय दिया जाएगा। नवीन मोबाइल डिवाइस क्रय करने हेतु ?4,000/- की प्रोत्साहन राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में अंतरित की जाएगी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

जलती चिता के पास तलवार, फिर 'मानव मांस' खाने का दावा... एफआईआर के बाद किन्नर अघोरी की नई धमकी

चक्रतीर्थ श्मशान का मामला- वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने दर्ज किया केस, नंद गिरि हिरासत में- बोली- विरोध करने वालों में हिम्मत है तो सामने आएं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चक्रतीर्थ श्मशान में जलती चिता के पास तलवार लेकर कथित रूप से शव के टुकड़े निकालकर खाने का वीडियो सामने आने के बाद विवादों में आई किन्नर अघोरी काली उर्फ नंद गिरि के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद जीवाजीगंज पुलिस ने शिकायत और वीडियो की जांच की। इसके आधार पर शव के साथ छेड़छाड़ के आरोप में बीएनएस की धारा 301 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने नंद गिरि को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

मामला यहीं नहीं थमा। एफआईआर के बाद नंद गिरि ने सोशल मीडिया पर एक और वीडियो पोस्ट कर विरोध करने वालों को खुली चुनौती दे दी। वीडियो में वह चक्रतीर्थ श्मशान में राख शरीर पर लगाती नजर आ रही है और विरोधियों को सामने आने के लिए कहती है। उसने यह भी कहा कि वह 'मारने के लिए भी रेडी' है। इस वीडियो के सामने आने के बाद मामला और गरमा गया है।

पहला वीडियो हटाया, दूसरा डालकर बोली- मैं यहीं रहती हूं- पहला वीडियो वायरल होने के बाद नंद गिरि ने उसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से हटा दिया। इसके बाद सोमवार रात उसने दूसरा वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह चक्रतीर्थ श्मशान में दिखाई दे रही है। वह चिता की राख चेहरे, हाथ और पैरों पर लगाती नजर आती है।

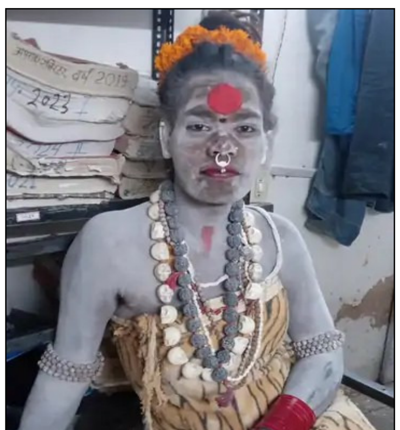

वीडियो में वह अपने खिलाफ सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने वालों को चुनौती देती है। उसका कहना है कि पीठ पीछे बोलने वालों में यदि हिम्मत है तो सामने आकर बात करें। वह यह भी कहती है कि वह चक्रतीर्थ श्मशान में ही रहती है। वीडियो में विरोध करने वालों को धमकी देते हुए वह कहती है कि वह किसी को नहीं छोड़ेगी और 'मारने के लिए भी रेडी' है।

पहले वीडियो में जलती चिता के पास तलवार लेकर दिखी थी- विवाद की शुरुआत उस वीडियो से हुई, जिसमें काली उर्फ नंद गिरि जलती चिता के पास हाथ में तलवार लिए दिखाई दी थी। वीडियो में वह चिता से शव के कथित टुकड़े निकालकर खाने का दावा करती नजर आई। उसने कथित मांस को 'बहुत टेस्टी' बताते हुए लोगों को उससे बचकर रहने की बात भी कही थी।

यह वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट digambarladyaghorinagasad-hvi से शेयर किया गया था। वीडियो वायरल होने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने इसे देखा और सोशल मीडिया पर इसको लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। बाद में नंद गिरि ने यह वीडियो हटा दिया।

अखाड़ा परिषद ने भी जताई आपत्ति- वीडियो सामने आने के बाद अखाड़ा परिषद अध्यक्ष डॉ. रवींद्र पुरी महाराज ने पुलिस अधीक्षक उज्जैन प्रदीप शर्मा से चर्चा कर कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने ऐसे कृत्य को सनातन धर्म की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की। वहीं, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि महाराज ने पुलिस को भेजे पत्र में कहा कि मानव अंगों का सेवन कहीं भी शास्त्रों में नहीं लिखा है। उन्होंने शासन-प्रशासन से ऐसे कृत्य करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

शिकायत के बाद पुलिस ने दर्ज किया केस- जीवाजीगंज थाना प्रभारी प्रतीक शर्मा के अनुसार, वीडियो वायरल होने के बाद विष्णु नाथ जी ने पुलिस से शिकायत की थी। शिकायत में इंस्टाग्राम पर वायरल वीडियो का हवाला देते हुए काली नंद गिरि पर शव के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया। पुलिस ने शिकायत और वायरल वीडियो की जांच के बाद बीएनएस की धारा 301 के तहत एफआईआर दर्ज की है। नंद गिरि को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस वीडियो और पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के सामने अब दो अहम सवाल हैं, वायरल वीडियो में दिखाया गया कृत्य वास्तव में क्या था और चक्रतीर्थ श्मशान में शव के साथ किस तरह की छेड़छाड़ हुई। जांच के बाद ही इसकी पूरी तस्वीर साफ होगी।

विष्णु सागर में आवारा कुत्तों का आतंक, गाय को नोचकर किया घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विष्णु सागर क्षेत्र में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक गाय पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना की सूचना मंगलवार सुबह पशु जिला चिकित्सालय को मिली। इसके बाद करीब 10 बजे चिकित्सकों की टीम घायल गाय के उपचार के लिए मौके पर रवाना हुई। क्षेत्रवासियों के मुताबिक विष्णु सागर इलाके में बड़ी संख्या में आवारा कुत्ते घूमते रहते हैं। ये कुत्ते आए दिन लोगों के साथ-साथ पालतू पशुओं पर भी हमला कर रहे हैं। रहवासियों का कहना है कि आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर नगर निगम में कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक इन्हें पकड़ने की ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार हो रहे हमलों से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है और उन्होंने निगम से तत्काल आवारा कुत्तों को पकड़ने की मांग की है।

साइकिल चला रहे बालक को ट्रैक्टर ने कुचला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घर के बाहर कॉलोनी में साइकिल चला रहे बालक को ट्रैक्टर ट्राली ने कुचल दिया। बालक को अस्पताल ले जाया जाता उससे पहले रास्ते में मौत हो गई। चालक भाग निकला था पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली जप्त की गई है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र की राज रॉयल कॉलोनी में रहने वाले शैलेंद्र चावंड का 10 वर्षीय पुत्र सौरभ मंगलवार शाम घर के बाहर कॉलोनी में साइकिल चला रहा था। इस दौरान कॉलोनी की गली से तेजगति में निकली ट्रैक्टर ट्राली ने साइकिल सवार बालक को कुचल दिया। दुर्घटना होते ही चालक ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकला बालक गंभीर रूप से घायल हुआ था उसे क्षेत्रवासी चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना की जानकारी लगते हैं पुलिस मौके पर पहुंच गई थी ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बालक कक्षा तीसरी का छात्र था। उसकी मौत की खबर से परिवार बिलख उठा। पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम किया गया है बुधवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

गौशाला में आवारा कुत्तों का धावा, पांच केड़े घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आवारा कुत्ते अब मवेशियों पर भी हमला करने लगे हैं। बीती रात गौशाला में घूसे कुत्तों ने 4 से 5 केड़ो को घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि विष्णु सागर में गौशाला बनी हुई है जहां कई गाये और बछड़े रखे गए हैं रात में गौशाला में आवारा कुत्ते घुस गए और उन्होंने 4 से 5 बछड़े (केड़े) को घायल कर दिया। मंगलवार सुबह घटनाक्रम सामने आने के बाद गौशाला के लोगों ने घायल केड़ो का उपचार शुरू कराया। बताया जा रहा है कि विष्णु सागर के आसपास दिन भर आवारा कुत्ते घूमते रहते हैं जिसके चलते यहां आने वाले पर्यटक और श्रद्धालुओं में भी भय बना रहता है। आवारा कुत्तों की मौजूदगी रविवार को महाकाल मंदिर परिसर में भी सामने आई थी नोएडा से आए मिश्रा परिवार के 8 वर्षीय पुत्र विवान को दर्शन की कतार में कुत्ते ने काट लिया था। प्रतिदिन शहर में चार से पांच लोग आवारा कुत्तों का शिकार हो रहा है इनकी बढ़ती संख्या एक बार फिर डर और दहशत की वजह बनती दिखाई देने लगी। आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी कई बार दिशा निर्देश जारी कर चुका है लेकिन उनकी बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाने के प्रभावी कम दिखाई नहीं दे रहे हैं।

आधी रात को कलेक्टर श्री सिंह ने राजसी सवारी मार्ग के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 7 सितंबर को निकलने वाली बाबा महाकालेश्वर की अंतिम व राजसी सवारी के सुगम संचालन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई है। राजसी सवारी मार्ग चौड़ीकरण का कार्य दिन-रात किया जा रहा है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने आधी रात को नगर निगम आयुक्त एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ शहर के प्रमुख निर्माण स्थलों और राजसी सवारी मार्ग का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने सती गेट से कंठाल, रीगल टॉकीज शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा हैरिटेज होटल के सामने बनने वाले महाकाल मार्ग से लेकर हरसिद्धि चौराहा तक के क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति देखी।

कलेक्टर ने अधिकारियों एवं एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 7 सितंबर को निकलने वाली बाबा महाकाल की राजसी सवारी से पूर्व मार्ग के सभी तरह के फिनिशिंग कार्य, समतलीकरण व मरम्मत हर हाल में पूरे किए जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सोलर पैनल वाले घरों में आ रहे हैं हजारों के बिल

उज्जैन शहर के 2000 घरों और होटलों पर लगे हैं सोलर सिस्टम, लेकिन एमपीईबी भेज रही मनमाने बिल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के हजारों मकान और होटलों में सोलर पैनल लगाए गए हैं। लेकिन पिछले तीन माह से एमपीईबी द्वारा हजारों रुपए के बिल थमाए जा रहे हैं और कई प्रकार के अधिभार भी लगाए जा रहे हैं। जून जुलाई और अगस्त माह में सोलर पैनल वाले घरों को 20 से 30 हजार रुपए के बिल दिए जा रहे हैं। इस संबंध में जब एमपीईबी से लोक शिकायत कर रहे हैं तो कोई सुनने वाला नहीं है।

सोलर सिस्टम लगाने वाले उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली की खपत कम होने के बावजूद बिलों में अचानक हजारों रुपए की राशि जुड़कर आ रही है। कई उपभोक्ताओं को जून से अगस्त तक लगातार अधिक राशि के बिल मिले हैं। उनका कहना है कि सोलर पैनल लगवाने का मुख्य उद्देश्य बिजली के खर्च को कम करना था, लेकिन अब बिलों में अलग-अलग तरह के अधिभार जुड़ने से राहत के बजाय परेशानी बढ़ गई है।

शहर में करीब 2000 घरों और होटलों में सोलर सिस्टम लगे होने की बात सामने आ रही है। इनमें से कई उपभोक्ताओं ने बिलों में अधिक राशि आने की शिकायत बिजली कंपनी के अधिकारियों और शिकायत केंद्रों पर की है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। कई मामलों में उपभोक्ताओं को बिल सुधार के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। सोलर पैनल वाले उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि बिजली की खपत सोलर सिस्टम से पूरी हो रही है तो हजारों रुपए के बिल कैसे बन रहे हैं। उपभोक्ताओं ने एमपीईबी से बिलों की जांच कराने, गलत अधिभार हटाने और मीटर रीडिंग की दोबारा जांच करने की मांग की है। उनका कहना है कि बिजली कंपनी को सोलर उपभोक्ताओं के लिए बिलिंग व्यवस्था स्पष्ट करनी चाहिए, ताकि हर माह इस तरह की परेशानी से बचा जा सके।

जहरीला पदार्थ खाने वाले किसान की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो दिन पहले जहर खाने वाले ग्रामीण की उपचार के दौरान निजी अस्पताल में रात को मौत हो गई। पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया है। जहर खाने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

ग्राम लसूडिया से 55 साल के गंगाराम पिता केसर सिंह को गंभीर हालत में दो दिन पहले परिवार उज्जैन लेकर आया था। निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। गंगाराम ने जहरीला पदार्थ खाया था जिससे उसकी हालत काफी बिगड़ चुकी थी। डॉक्टर उन्हें गहन चिकित्सा ईकाई में भर्ती किया, लेकिन रात में मौत हो गई। अस्पताल की ओर से मामला पुलिस से जुडा होने पर माधव नगर थाना पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों का कहना था की खेती किसानी का काम करते थे और एक बच्चे के पिता थे। उन्होंने जहर क्यों खाया इसकी वजह पता नहीं है बावजूद इसके आशंका जताई गई की आर्थिक परेशानी के चलते गंगाराम ने अपनी जान दी है। माधव नगर पुलिस के अनुसार मामला संबंधित थाना पुलिस को जांच के लिए भेजा जाएगा जहां परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

1 से 30 सितंबर तक चलेगा पोषण आहार माह, कार्यशाला, सेमिनार और समूह चर्चा से लोगों को बताएंगे सही खान-पान का महत्व

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वस्थ शरीर की पहली जरूरत संतुलित और पौष्टिक भोजन है। इसी संदेश को घर-घर पहुंचाने के लिए जिले में 1 से 30 सितंबर तक पोषण आहार माह मनाया जाएगा। इस दौरान लोगों को खान-पान में पोषक तत्वों की भूमिका, कुपोषण से होने वाले नुकसान और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में जागरूक किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि पोषण आहार माह का उद्देश्य लोगों को विभिन्न आहार और पोषण संबंधी समस्याओं की पहचान, उनके समाधान और नियंत्रण के बारे में जानकारी देना है। अभियान के दौरान कार्यशालाओं, सेमिनार, स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम और ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से लोगों को सही पोषण के प्रति जागरूक किया जाएगा।

थाली में सिर्फ पेट भरना नहीं, पोषण भी जरूरी- स्वास्थ्य के लिए केवल पर्याप्त भोजन करना ही काफी नहीं है, बल्कि भोजन में जरूरी पोषक तत्वों का संतुलन होना भी जरूरी है। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, खनिज और फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करना चाहिए। मौसमी फल-सब्जियां, अनाज, दालें, दूध एवं दूध से बने पौष्टिक पदार्थ नियमित आहार का हिस्सा होने चाहिए।

पोषक तत्वों की कमी का असर बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ सकता है। वहीं खराब पोषण से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने और बीमारियों का खतरा बढ़ने की आशंका रहती है। बेहतर पोषण का संबंध शिशु, बाल और मातृ स्वास्थ्य के साथ मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली, सुरक्षित गर्भावस्था और प्रसव तथा लंबे समय तक स्वस्थ जीवन से भी है।

ज्यादा और कम खाना भी नुकसानदायक- असंतुलित आहार शरीर के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। जरूरत से ज्यादा ऊर्जा और पोषक तत्व लेने से अधिक वजन, मोटापा, मधुमेह और हृदयरोग जैसी गैर-संचारी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। दूसरी ओर, पर्याप्त पोषण नहीं मिलने पर बच्चों का कद और वजन प्रभावित हो सकता है तथा बीमारी से ठीक होने में अधिक समय लग सकता है। इसलिए उम्र और शारीरिक गतिविधि के अनुसार भोजन की मात्रा और गुणवत्ता तय करना जरूरी है। संतुलित आहार के साथ नियमित शारीरिक गतिविधि और व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी गई है।

पोषण की थाली में ये चीजें जरूरी- भोजन में दाल, अनाज, दूध, फल और सब्जियां शामिल करें।

हरी पत्तेदार सब्जियां, अंकुरित अनाज, सूखे मेवे और बीज खाएं।

पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ और सुरक्षित पानी पिएं।

भोजन बनाते समय साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

भोजन को अच्छी तरह पकाकर ढककर रखें।

जंक फूड और फास्ट फूड से दूरी बनाएं।

नमक, चीनी और तेल का अत्यधिक इस्तेमाल न करें।

हमेशा आयोडीन युक्त नमक का उपयोग करें।

बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के पोषण पर विशेष ध्यान दें।

संतुलित भोजन के साथ रोजाना शारीरिक गतिविधि और व्यायाम करें।

गंभीर बीमारियों का जोखिम होगा कम- स्वास्थ्य विभाग का संदेश है कि पोषण को नजरअंदाज करना बीमारी को न्योता देना है। संतुलित थाली और सक्रिय दिनचर्या अपनाकर कुपोषण के साथ कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम किया जा सकता है।

बीए फर्स्ट ईयर का रिजल्ट जारी... अब कमजोर परिणाम वाले कॉलेजों पर होगी नजर

अंकों से असंतुष्ट छात्रों को पुनर्मूल्यांकन-पुनर्योग का मौका- प्राचार्यों के जरिए ही जमा होंगे आवेदन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय ने बीए प्रथम वर्ष की मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। रिजल्ट जारी होते ही विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को राहत देते हुए पुनर्मूल्यांकन और पुनर्योग की सुविधा भी स्पष्ट कर दी है। जिन विद्यार्थियों को लगता है कि उनके अंकों में सुधार की गुंजाइश है, वे संबंधित कॉलेज के प्राचार्य के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के अधिकृत वेब पोर्टल पर विद्यार्थी अपना रिजल्ट ऑनलाइन देख सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वे परिणाम देखने के बाद यदि पुनर्मूल्यांकन या पुनर्योग कराना चाहते हैं तो निर्धारित समय सीमा के भीतर कॉलेज में संपर्क कर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें।

जहां रिजल्ट कमजोर, वहां प्राचार्यों से जवाब-तलब- इस बार विश्वविद्यालय ने केवल रिजल्ट जारी करने तक ही मामला सीमित नहीं रखा है। जिन कॉलेजों में बीए प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं रहा, वहां रिजल्ट की समीक्षा कराई जाएगी।

कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने बताया कि ऐसे कॉलेजों के प्राचार्यों की जल्द ही समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में कॉलेजवार परीक्षा परिणामों का विश्लेषण किया जाएगा। किस कॉलेज में परिणाम क्यों गिरा, इसके कारण तलाशे जाएंगे और शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के लिए जरूरी कदम तय किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा परिणामों की गुणवत्ता को लेकर गंभीरता दिखाते हुए आगे भी सुधार की प्रक्रिया जारी रखने की बात कही है।

विद्यार्थियों को राहत, कॉलेजों के लिए समीक्षा- बीए प्रथम वर्ष का परिणाम घोषित होने के बाद विद्यार्थियों को अपने अंकों की दोबारा जांच कराने का अवसर मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर कमजोर परिणाम देने वाले कॉलेजों की समीक्षा से यह साफ है कि विश्वविद्यालय अब सिर्फ परीक्षा कराने और रिजल्ट जारी करने के बजाय परिणाम की गुणवत्ता पर भी फोकस करेगा।

कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों से निर्धारित समयावधि में आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

मोबाइल का सौदा करने की फिराक में घूम रहा था बदमाश

चोरी के पांच महंगे मोबाइल बरामद, 3 बदमाशों से भी मिले चोरी किए मोबाइल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जीआरपी और आरपीएफ रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह अलर्ट दिखाई दे रही है। ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर होने वाली वारदातों को लेकर सीसीटीवी कैमरे और तकनीकी साक्ष्यों के साथ मुखबिरों के आधार पर बदमाशों को चिन्हित कर पकड़ा जा रहा है। जीआरपी को मामले में सूचना मिली थी कि एक युवक मोबाइल का सौदा करने की फिराक में घुम रहा है जिसे पकड़ा गया तो उसके पास से पांच महंगे मोबाइल बरामद हो गए। तीन बदमाशों को भी पकड़ा गया है जिनके पास से मोबाइल बरामद हुए हैं जो यात्रियों से चोरी किए गए थे।

जीआरपी थाना प्रभारी सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली कि प्लेटफार्म नंबर 8 के आउटर स्थित छुम-छुम बाबा की दरगाह के पास एक संदिग्ध व्यक्ति नीले रंग का बैग लेकर घूम रहा है और आने-जाने वाले लोगों को मोबाइल दिखाकर बेचने की बात कर रहा है। जीआरपी टीम ने मौके पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही संदिग्ध भागने लगा, लेकिन पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी का नाम राहुल पिता कानिफनाथ कांबले 44 साल निवासी आनंद नगर, मुंढवा, पुणे, महाराष्ट्र के रूप में हुई। उसके बैग की तलाशी लेने पर पांच महंगे मोबाइल बरामद हो गए। जिनके संबंध में बिल और दस्तावेज मांगे, लेकिन आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। वहीं वह मोबाइल के संबंध में भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहा था जिसके चलते सभी मोबाइलों जब्त कर जांच शुरू की गई है। युवक की गतिविधियों का पता लगाया जा रहा है। बरामद मोबाइल 1 लाख रुपए कीमत के सामने आए हैं। तकनीकी साक्ष्यों से मोबाइल मालिकों का पता लगाया जाएगा। इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक मनोज परिहार, मानसिंह टेकाम, राजेश वर्मा, आरक्षक अनूप, दिलीप लोधी एवं रवि बघेल शामिल थे।

तीन बदमाशों से भी बरामद हुए मोबाइल- जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों के पूर्व में चोरी हुए मोबाइल के मामले में पुलिस द्वारा जांच की जा रही थी। इसी कड़ी में तीन बदमाशों को पकड़ा गया है। जिनके पास से चोरी किए गए 46 हजार रुपए के मोबाइल बरामद किए गए हैं। जीआरपी को पिछले 9 साल से फरार चल रहे गिर तार वारंटी को भी पकडने् में सफलता मिली है। थाना प्रभारी ने बताया कि 30 अगस्त को उत्तरप्रदेश के वीर सूद का मोबाइल रेलवे स्टेशन से भीड़ में चोरी गया था। वहीं दो अन्य यात्रियों के मोबाइल भी चोरी होना सामने आए थे। तीनों मामलों में मोबाइल चुराने वाले बदमाश अनिस पिता नासिर खान निवासी भोपाल, गणेश पिता लक्ष्मण पलहाड़ निवासी महाराष्ट्र और लखन पिता रमेशचंद्र परिहार निवासी देवास को गिर तार किया गया है जिनके पास से चोरी के मोबाइल बरामद कर लिए गए हैं। 9 साल से फरार गिर तारी वारंटी धर्मराज पिता प्रद्यु न सेन निवासी सीहोर है। सभी को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' की थीम पर मनेगा 9वां राष्ट्रीय पोषण माह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस वर्ष 9वें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का आयोजन 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' की थीम पर व्यापक जनभागीदारी के साथ किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत आयोजित होने वाले पोषण माह का उद्देश्य आंगनवाड़ी केन्द्रों को पोषण, देखभाल और प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास की गतिविधियों का प्रभावी केन्द्र बनाते हुए समुदाय की सक्रिय भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

इस वर्ष पोषण माह को केवल जागरूकता अभियान तक सीमित न रखते हुए समुदाय को आंगनवाड़ी केन्द्रों से जोड़ने और पोषण सेवाओं में उसकी भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके लिए प्रदेशभर में स्थानीय खाद्य पदार्थों, संतुलित आहार, पर्याप्त प्रोटीन, बच्चों के प्रारंभिक विकास, गर्म पके भोजन की गुणवत्ता तथा मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियां आयोजित होंगी।

आहार विविधता और पर्याप्त प्रोटीन को लेकर आंगनवाड़ी केन्द्रों पर स्थानीय एवं कम लागत में उपलब्ध खाद्य पदार्थों से पौष्टिक व्यंजनों की रेसिपी डेमोंस्ट्रेशन गतिविधियां होंगी। पोषण मेलों के माध्यम से स्थानीय सुपर फूड, मौसमी फल-सब्जियों, दालों, अनाज, मिलेट्स, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, मेवा और बीज सहित प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की उपयोगिता बताई जाएगी। 'प्रोटीन रिच फूड' अभियान के माध्यम से परिवारों को रोजमर्रा के भोजन में किफायती और आसानी से उपलब्ध प्रोटीन स्त्रोत शामिल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आंगनवाड़ी केन्द्रों की पोषण वाटिकाओं में उत्पादित खाद्य पदार्थों तथा स्थानीय मौसमी खाद्य सामग्री को भी प्रदर्शित कर उनके नियमित उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग की नवीन पहल, दूध में मिलावट की रैपिड टेस्टिंग किट के माध्यम से जांच

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश, भोपाल एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार आमजन को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा अमानक/मिलावटी खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर नमूना कार्यवाही भी जारी है। साथ ही मिल्क रैपिड टेस्टिंग अभियान शुरू किया गया है। उज्जैन जिले में भी इसकी शुरूआत कर दी गई है। इसके लिए मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी को रैपिड टेस्टिंग किट उपलब्ध कराई गई है। रैपिड किट की मदद से दूध की प्राथमिक जांच मौके पर ही तत्काल की जा सकती है। किट में मौजूद विशेष पेपर को दूध के नमूनें में डुबोया जाता है।